शनिवार
29 जुलाई 2023

पृष्ठ 4
बारिश के मौसम में इस तरह से रखें अपने आप को स्टाइलिश

पृष्ठ 5
न्यूड मेकअप और मरमेड गाउन में जान्हवी ने धरा बोल्ड अवतार

● देहरादून
● वर्ष 31
● अंक 173
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

धैर्यवान मनुष्य आत्मविश्वास की नौका पर सवार होकर आपत्ति की नदियों को सफलतापूर्वक पार कर जाते हैं।

– भर्तृहरि

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

चमोली एसटीपी प्लांट घटना की मजिस्ट्रियल जांच पूर्ण

तीनों कम्पनियां ब्लैकलिस्ट, 110.75 लाख रुपया जब्त

संवाददाता

देहरादून। चमोली की घटना की मजिस्ट्रियल जांच पूरी होने के बाद की गयी संस्तुति में तीनों कम्पनियों को ब्लैक लिस्ट करते हुए उनकी जमा की गयी 110.75 लाख की धनराशि भी जब्त की जायेगी तथा इस प्रकरण में आपसी सामंजस्य न रखने पर विद्युत विभाग व जन संस्थान के कर्मचारियों व अधिकारियों के खिलाफ भी कार्यवाही की संस्तुति की गयी है।

19 जुलाई को चमोली के नमामि गंगे के सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट में करंट लगने से 16 लोगों की मौत हो गयी थी तथा 12 अन्य गम्भीर रूप से घायल हो गये थे। घटना के बाद मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मामले की मजिस्ट्रियल जांच के आदेश किये थे। जिसके बाद जिलाधिकारी चमोली ने अपर जिला मजिस्ट्रेट डा. अभिषेक त्रिपाठी को मामले की जांच सौंप दी थी। जांच के दौरान एडीएम ने 39 लोगों के बयान दर्ज करने व अन्य साक्ष्यों के बाद अपनी जांच

❑करंट लगने से हुई थी 16 लोगों की मौत
❑विद्युत विभाग व जल संस्थान के कर्मचारियों पर भी होगी कार्यवाही

आख्या सौंप दी।

जांच में यह बात सामने आयी कि नमामि गंगे के अन्तर्गत काम कर रही वेंचर फर्म पटीयाला व कान्फिडेंस इंजीनिरिंग प्राइवेट लिमिटेड के अनुबन्ध को निरस्त कर उनको ब्लैक लिस्ट किये जाने की संस्तुति की गयी। इसके साथ ही भास्कर महाजन की फर्म एक्सिस पावर कंट्रोल्स को भी राज्य में ब्लैक लिस्ट किये जाने के साथ ही पूरे भारतवर्ष में भी ब्लैक लिस्ट किये जाने की संस्तुति की गयी है। इसके साथ ही अनुबंध की शेष अवधि में अनुबंध के अधीन समस्त सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांटों के आपरेशन और मेन्टिनेंस पर आने वाले खर्च, मरम्मत इत्यादि पर होने वाले कुल व्यय को उक्त ज्वाइंट वेंचर फर्म से भू राजस्व की भांति वसूल किये जाने की संस्तुति की गयी तथा ज्वाइंट वेंचर फर्म द्वारा उत्तराखण्ड पेयजल निगम को दी गयी 110.75 लाख की बैंक गारंटी को तत्काल प्रभाव से जब्त करने की संस्तुति की गयी है। घटना की मुख्य जिम्मेदार ज्वाइंट वेंचर फर्म व एक्सिस पावर कंट्रोल्स के विरूद्ध विधि अनुकूल दंडात्मक कार्यवाही किये जाने की संस्तुति की गयी। विद्युत विभाग एवं जल संस्थान के कार्मिकों के मध्य आपसी सामंज्य के अभाव के कारण घटित भीषण दुर्घटना हेतु जिम्मेदार कार्मिकों के विरूद्ध भी विधि अनुकूल कार्यवाही करने की भी संस्तुति की गयी।

लोकसभा चुनाव 2024 को भाजपा की नई टीम घोषित

नड्डा की नई टीम में नरेश बंसल शामिल

विशेष संवाददाता

नई दिल्ली/देहरादून। आगामी लोकसभा चुनाव की तैयारियों में जुटी भाजपा ने आज अपनी नई टीम की घोषणा कर दी है। राज्यसभा सांसद नरेश बंसल को इस टीम में सह कोषाध्यक्ष बनाया गया है। भाजपा की राष्ट्रीय टीम में स्थान पाने वाले उत्तराखंड से वह एकमात्र नेता है। इस टीम में सर्वाधिक महत्व उत्तर प्रदेश को दिया गया है।

भाजपा की इस राष्ट्रीय टीम की घोषणा दिल्ली में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने की। उनकी इस टीम में कुल मिलाकर 13 लोगों को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष तथा 8 लोगों को राष्ट्रीय महामंत्री तथा एक महामंत्री संगठन व एक सह महामंत्री संगठन, 13 को राष्ट्रीय सचिव और राजेश अग्रवाल को राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष के अलावा सांसद नरेश बंसल को सह कोषाध्यक्ष बनाया गया है।

नरेश बंसल को भाजपा के राष्ट्रीय संगठन में शामिल किए जाने से प्रदेश भाजपा में खुशी की लहर है। नरेश बंसल को सह कोषाध्यक्ष बनाए जाने पर प्रदेश भाजपा संगठन के पदाधिकारियों द्वारा भव्य स्वागत किया गया और बधांइयां दी गई। उल्लेखनीय है कि नरेश बंसल

❑13 राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व 8 महामंत्री बनाए
❑बंसल को बधाइयां देने वालों का लगा तांता

को संगठन में काम करने का लंबा अनुभव है उन्हे प्रदेश संगठन में महामंत्री रहने से लेकर कई महत्वपूर्ण पदों पर काम करने का अनुभव है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उन्हें सह कोषाध्यक्ष बनाए जाने पर खुशी जाहिर की है। भाजपा ने अपने राष्ट्रीय संगठन में उत्तर प्रदेश के 5 नेताओं को जगह दी है जो सबसे अधिक है।

यहां यह भी उल्लेखनीय है कि 2014 और 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा राज्य की सभी 5 सीटों पर जीत दर्ज कर इतिहास रच चुकी है और अब 2024 के चुनाव में वह हैट्रिक लगाने की तैयारियों में जुटी हुई है।

पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट, 8 लोगों की मौत

चेन्नई। तमिलनाडु से एक बड़ी जानकारी सामने आ रही है। राज्य के कृष्णागिरि में एक पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट होने से आठ लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। शनिवार सुबह हुए विस्फोट का प्रभाव इतना तेज था कि पास के एक होटल की इमारत ढह गई और चार अन्य इमारतों को भी भारी नुकसान हुआ है। इसमें कई लोग फंस गए हैं। हादसे में घायल हुए लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

घटना के तुरंत बाद मौके पर पहुंची दमकल विभाग की गाड़ियां और बचाव दल आग बुझाने और अंदर फंसे हुए लोगों को बाहर निकालने का प्रयास कर रहे हैं। जिला प्रशासन की तरफ से कहा गया कि विस्फोट के प्रभाव से एक होटल की इमारत पूरी तरह से ढह गई और आसपास के तीन-चार घरों को आंशिक रूप से नुकसान पहुंचा है। साथ ही, उन्होंने कहा कि राहत एवं बचावकर्मी अभी तक मलबे में फंसे लोगों की कुल संख्या का पता लगाने का प्रयास कर रहे हैं और उन्हें बचाने की कोशिश कर रहे हैं। हालांकि, पुलिस को अभी तक विस्फोट के कारण का भी पता नहीं चल पाया है।

दो बसों की आमने-सामने की टक्कर में 6 की मौत, 25 घायल

मुंबई। महाराष्ट्र के बुलढाणा जिले में शनिवार तड़के भीषण हादसा हुआ है। यहां आमने सामने से आ रही दो लग्जरी बसों में भिड़ंत के बाद 6 लोगों की मौत हो गई है। हादसे में करीब 25 यात्री घायल हुए हैं, जिसमें से 5 की हालत गंभीर बताई जा रही है। बताया जा रहा है कि हादसा जिले के मलकापुर शहर के नजदीक नेशनल हाइवे-6 पर हुआ है। मलकापुर थाने के थानेदार अशोक त्रिपाठी के मुताबिक एक बस अमरनाथ के तीर्थ यात्रियों को लेकर हिंगोली जा रही थी, जबकि दूसरी नागपुर से नासिक जा रही थी। तड़के 3 बजे दोनों हादसे का शिकार

हो गई। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। दुर्घटना के बाद मौके पर पहुंचे पुलिस अधिकारियों ने घायलों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया। 6 लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

घटना के बाद काफी देर तक रास्ते पर ट्रैफिक बाधित रहा, जिसे बाद में सामान्य करा दिया गया। हादसे की गंभीरता को देखते हुए अनुमान लगाया जा रहा है कि मौतों का आंकड़ा और बढ़ सकता है। इस बीच उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा के दादरी थान क्षेत्र में भी भीषण हादसा हुआ है, जिसमें एक शख्स की मौत हो गई है और 3 लोग गंभीर रूप से घायल हैं। पुलिस के मुताबिक यह हादसा एनएच-91 में हुआ है। बताया जा रहा है कि जिस वक्त हादसा हुआ, हाइवे पर अंधेरा छाया हुआ था। दरअसल, यहां खड़े ट्रक में पीछे से आ रहा ट्रैक्टर और हाइवा जा घुसे। पुलिस ने घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

दून वैली मेल

संपादकीय

पानी-पानी होते शहर

मानसूनी सीजन में हर साल देश के अधिकांश शहरों को जलभराव की गंभीर समस्या से जूझना पड़ता है। हालात कई बार इतने अधिक गंभीर हो जाते हैं कि इन शहरों की सड़कों पर वाहनों की जगह नावों को चलते हुए हम सभी अपने बचपन से देखते आ रहे हैं। अभी हाल ही में हमने देश की राजधानी दिल्ली की सड़कों पर नावों को चलते देखा था। उत्तराखंड और हिमाचल के भी कई शहरों में हमने सड़कों पर सैलाब और घरों में कमर तक घुसे पानी की तस्वीरें देखी। देश के इन शहरों की बरसात में बदहाली को देखकर किसी को भी शहरी जीवन से वितृष्णा हो सकती है। कृषि प्रधान भारत की 90 फीसदी जनता कभी गावों में रहती थी लेकिन बीते तीन-चार दशकों में लोगों में शहरों की ओर भागने की जो प्रवृत्ति बनी उसके कारण अब गांवों में 60 फीसदी लोग ही रह गए हैं देश में कुल मिलाकर आठ हजार के करीब नगर निकाय हैं जिनमें से अधिकाशं छोटे व मझोले शहर तथा कस्बे है जबकि 300 के करीब बड़े दिल्ली, मुंबई और कोलकाता जैसे शहर है लेकिन इन तमाम शहरों को हर साल बारिश के सीजन में पानी पानी होते हुए हम देखते हैं। खास बात यह है कि इन शहरों में न तो कोई ड्रेनेज सिस्टम सुचारू है और न सीवर सिस्टम। जलभराव और इस पानी में तैरती गंदगी के बीच लोग जीते कैसे हैं? कई बार तो यह सोच कर किसी को भी हैरानी हो सकती है लेकिन देश के शहरों की हकीकत यही है। बारिश और जलभराव के कारण कूड़े का उठान निस्तारण भी खत्म हो जाता है फिर अगर हैजा, मलेरिया और डेंगू जैसे संक्रामक रोगों से लोग मरते हो तो मरे। बात दिल्ली की हो या फिर रुड़की और देहरादून की, सवाल यह है कि आखिर इस समस्या का कारण क्या है? और दूसरा सवाल यह है कि इस समस्या का आज तक कोई स्थाई समाधान क्यों नहीं हो सका। तो इसके जवाब में पहला सच यह है कि देश के छोटे से लेकर बड़े तक सभी शहर अनियोजित ढंग से विकसित हुए हैं। पहले नगर बसे या बसाये गए इसके बाद उनके विकास और जन सुविधाओं के बारे में सोचा गया। देश के इन शहरों में कोई नगर नियोजक नहीं होता है। जिसके जहां मन में आया बस गया और जिसके जहां मन में आया उसने बस्तियां बसा दी। बात उत्तराखंड की ही की जाए तो यहां 1000 से भी अधिक अवैध बस्तियां बसी है जो हर शहर में हैं जिन्हें मलिन बस्तियां कहा जाता है। मलिन बस्तियों की समस्या हर शहर की एक ऐसी पहेली है जिसे आज तक भी न कोई सुलझा सका है न कोई सुलझा सकता है। दूसरा अहम कारण है बजट की कमी और बजट का दुरुपयोग। सीवर सिस्टम व ड्रेनेज सिस्टम अथवा सड़क और नालियों को दुरुस्त रखने के लिए अव्वल तो पर्याप्त बजट नहीं होता है और जो होता भी है उसका दुरुपयोग रोका नहीं जा सकता। ऐसे हालात में इन शहरों को पानी-पानी होने से भला कोई कैसे बचा सकता है? एक अन्य कारण विभागों के बीच सामंजस्य का अभाव भी है। जिसके कारण हर शहर की सड़के नालिया हर साल में कई बार खोदी जाती हैं इसलिए यह देश के शहर कभी इस समस्या से निजात नहीं पा पाते।

पांचवा मेधावी छात्र सम्मान समारोह 30 जुलाई को

संवाददाता

देहरादून। उत्तरांचल अग्रवाम महासभा के महामंत्री अमित गुप्ता ने बताया कि संस्था के द्वारा पांचवे मेधावी छात्र सम्मान समारोह का आयोजन 30 जुलाई को त्यागी रोड स्थित एक होटल में किया जायेगा। आज यहां प्रेस क्लब में पत्रकारों से वार्ता करते हुए अमित गुप्ता ने बताया कि पांचवा मेधावी छात्र सम्मान समारोह को आयोजन 30 जुलाई को त्यागी रोड स्थित एक होटल में किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि बच्चे देश व प्रदेश का भविष्य है उनके भविष्य निर्माण में शिक्षा का क्षेत्र एक महत्वपूर्ण अंग है। इसी कडी में उनकी संस्था ने 10वीं एवं 12वीं की परीक्षा में पास मेधावी छात्र/छात्राओं का सम्मान व उनका उत्साहवर्धन करने का निर्णय लिया है जिसमें सीबीएसई, आईसीएससी व आईएससी के विद्यार्थियों को जो 80 प्रतिशत से ज्यादा अंक लाने वाले विद्यार्थी हैं एवं उत्तराखण्ड बोर्ड के विद्यार्थियों का जो 70 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थी है उनमें 100 बच्चों का सम्मान करने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा कि 10वीं की परीक्षा विद्यार्थी के जीवन में एक महत्वपूर्ण कडी है तथा 12वीं की परीक्षा के बाद तो उन्हें निर्णय लेना पडता है कि भविष्य को किस क्षेत्र में ले जाना है।

अमृतं जातवेदसं तिरस्तमांसि दर्शतम्।
घृताहवनमीड्यम्॥

(ऋग्वेद ८-७४-५)

हमें उस परमेश्वर को प्राप्त करना है जो मृत्यु से परे है, जो अंधकार से परे है। परमेश्वर हमारे जीवन के मलों को निकालकर हमें निर्मल कर देता है। ऐसा परमेश्वर ही स्तुति के योग्य है।

इसरो एवं रेडक्रास सोसायटी के रक्तदान शिविर में 56 यूनिट रक्त एकत्रित किया

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। इसरो (भारतीय सुदूर संवेदन संस्थान) तथा जिला रेडक्रास सोसायटी, देहरादून के संयुक्त तत्वावधान में कालीदास रोड स्थित आई आई आर एस के सभागार में आयोजित रक्तदान शिविर में कुल 56 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया।

शिविर का उद्घाटन आई०आई०आर०एस० के निदेशक डॉ० आर पी सिंह , हैड परसोनल एंड जनरल एडमिनिस्ट्रेशन रथिन सेनगुप्ता, ग्रुप डायरेक्टर देबाशीष मित्रा, साइंटिस्ट एस एफ डॉ० दीपांविता हलधर , प्रशासनिक अधिकारी प्रसाद काडूरू , जिला रेडक्रास कमेटी के चेयरमैन डॉ० एम एस अंसारी, जिला सचिव कल्पना बिष्ट , यूथ रेडक्रास कमेटी के चेयरमैन रक्तदाता शिरोमणि अनिल वर्मा, प्रबंधन समिति सदस्यों योगेश अग्रवाल, विकास गुप्ता तथा मोहन खत्री, रेडक्रास सदस्या मेजर प्रेमलता वर्मा रूपाली शर्मा तथा वैशाली खरोला ने फीता काटकर किया।

आई आई आर एस के निदेशक डॉ० आर पी सिंह ने कहा कि रक्तदान मानवता की पहचान है। प्रत्येक स्वस्थ नागरिक का यह सामाजिक दायित्व है कि वह रक्तदान करने के लिए स्वेच्छापूर्वक आगे आए।

जिला रेडक्रास सोसायटी के चेयरमैन डॉ० एम एस अंसारी ने कहा कि रक्तदान समाज सेवा का सरल माध्यम है। एक बार रक्तदान करने से कम से कम तीन लोगों का जीवन बचाया जा सकता है।

जिला सचिव रेडक्रास कल्पना बिष्ट ने कहा कि कोई भी स्वस्थ महिला या पुरुष रक्तदान कर सकता है। महिलाओं को रक्तदान में पीछे नहीं रहना चाहिए । वे स्वयं समय - समय पर रक्तदान करती रहती हैं।

150 से अधिक बार रक्तदान कर चुके यूथ रेडक्रास कमेटी के चेयरमैन अनिल वर्मा ने कहा कि रक्तदान करने से संबंधित अनेकों गलत धारणाएं समाज में प्रचलित हैं। जिसकी वजह से लोग रक्तदान करने से बचते हैं। परन्तु सच्चाई यह है कि नियमित रूप से रक्तदान करने वाले रक्तदाता को स्वयं बहुत लाभ प्राप्त होता है। ऐसे लोगों का हाई ब्लड प्रेशर कोलेस्ट्रॉल , शुगर कंट्रोल में रहता है तथा बॉडी फैट में कमी आती है।

129 बार रक्तदान कर चुके रेडक्रास मैनेजिंग कमेटी सदस्य योगेश अग्रवाल ने कहा जैसा कि सभी जानते हैं कि रक्त का मनुष्य के रक्त के सिवाय कोई विकल्प नहीं है। इसके साथ ही अनेकों दुर्घटनाओं,प्रसव, सर्जरी, एनीमिया तथा थैलीसीमिया आदि रक्तरोगों के कारण ब्लड बैंकों में रक्त की आवश्यकता लगातार बनी रहती है।

जिला रेडक्रास सोसायटी की तरफ से समस्त रक्तदाताओं को प्रतीक चिन्ह व प्रमाण पत्र तथा दून हॉस्पिटल ब्लड बैंक की ओर से रिफ्रेशमेंट प्रदान किया गया।

इस अवसर धन्यवाद ज्ञापित करते हुए आई आई आर एस के पी० एंड ए०जी० रथिन सेनगुप्ता ने रेडक्रास के डॉ० एम एस अंसारी, श्रीमती कल्पना बिष्ट, अनिल वर्मा, मेजर प्रेमलता वर्मा, योगेश अग्रवाल, विकास गुप्ता, श्रीमती रूपाली शर्मा, कु० वैशाली खरोला तथा दून ब्लड बैंक के डॉ० नितेश गुप्ता एवं डॉ० निवेदिता सजवाण का धन्यवाद करते हुए उपहार भेंटकर सम्मानित किया।

दून मेडिकल कॉलेज ब्लड बैंक की टीम में डा० नितेश गुप्ता, डॉ० निवेदिता सजवाण, काउंसलर अनिता सकलानी,, गणेश गोदियाल, अंकिता रावत, दीपक राणा,विजय नेगी तथा चंद्रमोहन बिष्ट ने शिविर संचालन में विशेष भूमिका निभाई।

जोमेटो डिलीवरी ब्वाज पर तमंचे से फायर, 4 के खिलाफ मुकदमा

संवाददाता

देहरादून। जोमेओ डिलीवरी ब्वाज पर तमंचे से फायर करने के मामले में चार लोगों के खिलाफ पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार करनपुर निवासी प्रयास कुमार ने नेहरू कालोनी थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह आज आर्डर लेने जोमेटो का चीली रेस्ट्रोरेंट जो की नेहरू कॉलानी क्षेत्र में स्थित है जब वह रेस्ट्रोरेंट से आर्डर लेकर बाहर रोड़ पर आया चार व्यक्ति जिनकों वह जानता है जिनका नाम कुणाल निवासी इद्ररीसपुर जिला बागपत, अक्षय निवासी इदरीसपुर जिला बागपत, रवि निवासी ग्राम बावली जिला बागपत, आशीष निवासी ग्राम जिवानी जिला बागपत जो दो सप्लेंडर काले रंग की ये चारों व्यक्ति जैसे ही वह रेस्ट्रोरेंट से रोड़ पर आया उसके पीछे देसी कट्टा रेस्ट्रोरेंट से थोड़ा 20 या 30 मीटर दूरी से फायर करते हुए सामने डिवाइडर पार करके फुव्वारा चौक की तरफ अपनी दोनों मोटरसाइकिल से तेजी मे वहाँ से भाग गए।

पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

राज्य के विकास व प्रगति में महिलाओं का अहम योगदानः जोशी

संवाददाता

देहरादून। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि उत्तराखंड की परिश्रमी व साहसी महिलाओं का राज्य के विकास एवं प्रगति में अहम योगदान रहा है।

आज यहां कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने देहरादून में त्रिकोण सोसायटी द्वारा आयोजित वूमेन ट्रांसफॉर्मिंग उत्तराखंड कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि प्रतिभाग किया। मंत्री गणेश जोशी ने अपने संबोधन में कहा कि उत्तराखंड की परिश्रमी व साहसी महिलाओं का राज्य के विकास एवं प्रगति में अहम योगदान रहा है। उन्होंने कहा उत्तराखंड राज्य आंदोलन में प्रदेश की वीर नारियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। मंत्री ने कहा राज्य में रोजगार के लिए पुरुषों के पलायन के कारण महिलाएं ही राज्य के सामाजिक एवं आर्थिक संरचना की रीढ़ बनी पर्वतीय क्षेत्रों में कठिन भौगोलिक परिस्थितियों में महिलाओं ने अपने परिश्रम व साहस के

बल पर अपने घर, गांव, खेतों और संस्कृति को आबाद रखा। उन्होंने कहा उत्तराखंड की महिलाओं को उनके परिश्रम, बलिदान एवं संघर्ष का उचित श्रेय से मिलना आवश्यक है। मंत्री ने कहा उत्तराखंड के पहाड़ी क्षेत्रों में महिला स्वयं सहायता समूहो द्वारा सराहनीय कार्य किए जा रहे हैं। धामी सरकारी सेवाओं में राज्य की महिलाओं को 30 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण देते हेतु कानून बनाया है। पुष्कर सिंह धामी की सरकार यूसीसी बनाने की दिशा में कार्य करने वाली पहली राज्य सरकार है। उन्होंने कहा प्रदेश की महिलाओं के सशक्तिकरण हेतु प्रदेश सरकार विभिन्न योजनाएं चला रही है। जिससे प्रदेश के विकास में महिलाओं के योगदान को बढ़ावा मिल सके। मंत्री गणेश जोशी ने कहा मुख्यमंत्री लखपति दीदी योजना, मुख्यमंत्री नारी सशक्तीकरण योजना, मुख्यमंत्री महालक्ष्मी योजना, मुख्यमंत्री वात्सल्य योजना, मुख्यमंत्री आँचल अमृत योजना और पोषण योजना आज प्रदेश की बेटियां शिक्षा, स्वास्थ्य, खेल, स्वरोजगार, रक्षा सहित हर क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के साथ कई नए कीर्तिमान गढ़ रहीं हैं। इस अवसर पर बीजेपी महिला प्रदेश अध्यक्ष आशा नौटियाल, सोसाइटी की चेयरपर्सन नेहा शर्मा, सोनिया शर्मा, डिप्टी डायरेक्टर राजेंद्र, एडिशनल कमिश्नर अमित गुप्ता, अनुराधा मल्ल आदि उपस्थित रहे।

जमीनी फर्जीवाडा करने वाले पांच लोगों पर गैंगस्टर एक्ट

संवाददाता

देहरादून। गैंग बनाकर लोगों को जमीन के नाम पर फर्जीवाडा करने वाले पांच लोगों को पुलिस ने गैगेस्टर एक्ट में निरूद्ध कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रायपुर पुलिस ने गैंगलीडर अमित कुमार सिंह पुत्र विनोद कुमार निवासी 168 दून विहार कालोनी जाखन वार्ड 03 थाना रायपुर देहरादून व उसके गैंग सदस्य अंकित वर्मा पुत्र भूपेन्द्र सिंह निवासी डांडा खुदाने वाला सहस्त्रधारा रोड थाना रायपुर देहरादून, विजय कुमार पुत्र लक्ष्मी चन्द निवासी ईश्वर विहार लाडपुर थाना रायपुर देहरादून, विक्रान्त चौरसिया पुत्र राकेश चौरसिया निवासी 202 चक्खुवाला थाना कोतवाली नगर देहरादून व राजेश अग्रवाल पुत्र वी. पी. अग्रवाल निवासी कृष्णा वैंडिग प्वाइंट सहस्त्रधारा रोड थाना रायपुर एक सुसंगठित गिरोह बनाकर जमीनों के कूटरचित दस्तावेज तैयार कर फर्जी तरीके से भूमि खरीद फरोख्त कर अबैध लाभ अर्जित कर रहे है एवं अवैध लाभ अर्जित कर लोक विलासितापूर्ण जीवन व्यतीत करने मे अधिक से अधिक धनोपार्जन करने के लिये अपराध कारित कर आम जन में भय व डर व्याप्त कर रहे है। इन पर साधारण कानून का कोई भय नही रह गया है। व्यापक जनहित मे इनके विरूद्ध गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्यवाही किये जाने की आवश्यकता हो गयी है। रायपुर पुलिस ने उच्चाधिकारियों के आदेश व जिलाधिकारी से गैंग चार्ट पर अनुमोदन होने पर उनको गैंगेस्टर एक्ट में निरूद्ध कर लिया है।

कार की चपेट में आकर स्कूटी सवार घायल

संवाददाता

देहरादून। कार की चपेट में आकर स्कूटी सवार गम्भीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ज्वालापुर हरिद्वार निवासी मिथिलेश सिंह ने रायवाला थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह रायवाला से हरिद्वार की तरफ जा रहा था जब वह देव संस्कृति विद्यालय हरिपुर के पास पहुंचा तभी सामने से आ रही फॉर्च्युनर कार ने उसको अपनी चपेट में ले लिया जिससे वह गम्भीर रूप से घायल हो गया। कार चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

चरस के साथ महिला गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने एक किलो चरस के साथ महिला को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार ऋषिकेश कोतवाली पुलिस ने मायाकुण्ड के पास एक महिला को संदिग्ध अवस्था में घुमते हुए देखा तो उसको रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख वह भाग खडी हुई। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से एक किलो चरस बरामद कर ली। पूछताछ में उसने अपना नाम शीला साहनी पत्नी सुरेन्द्र साहनी निवासी झुग्गी झोपडी मायाकुण्ड बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

उधार के रुपये वापस मांगने पर जान से मारने की धमकी, मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। उधार के रूपये वापस मांगने पर जान से मारने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कर्जन रोड निवासी सिमरन कौर ने डालनवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उससे अशोक कुमार बेदी निवासी धामावाला जिससे की वह पूर्ण रूप से परिचित है जिसे की उसको डेविड निवासी भगत सिंह कालोनी देहरादून ने मिलवाया था। अशोक बेदी द्वारा अपनी आर्थिक मजबूरियों को बताकर उससे दो लाख रुपये चार माह पूर्व उधार लिये थे जिसकी वापसी की गारंटी डेविड द्वारा ली गई थी। उसके द्वारा समय पूर्ण होने पर अपने रुपयों की वापसी की मांग अशोक बेदी व डेविड आदि से की गई जिस पर की यह लोग उसको पैसे जल्द वापसी का आश्वासन देते रहे किन्तु रकम वापस नहीं की। तथा बाद में उसका फोन उठाना बन्द कर दिया। कल रात समय लगभग 8. 15 शाम को अशोक बेदी को फोन करने पर उसके पुत्र साहिल कुमार बेदी के फोन पर बात हुई जिस पर कि साहिल द्वारा उसको गन्दी- 2 गालिया दी गई तथा धमकी दी गई कि अपने रुपये भूल जाओ हमे अब दोबारा फोन नहीं करना वरना बच्चो सहित जान से मरवा दिये जाओगे। उक्त फोन के बाद से वह अत्यधिक भयभीत है इन लोगो ने उसके रुपये हड़प लिये है और वापिस नहीं कर रहे है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

वर्कआउट से पहले जूस, दलिया और केले लें, कम होगा वजन

नियमित खानपान और नियमित जीवनशैली से स्वास्थ्य बेहतर बनाया जा सकता है, लेकिन वसायुक्त आहार और जंक फूड खाने से कई लोग मोटापे के शिकार हो जाते हैं. मोटापे के और भी कई कारण हो सकते हैं जैसे हार्मोन्स में परिवर्तन होना, अनिद्रा, अनियमित जीवनशैली आदि. अगर वजन कम करना है तो शरीर से फैट घटाना ही पड़ेगा और शरीर से वसा कम करने का सबसे सही तरीका व्यायाम ही है. अगर मोटापा जल्द कम करना है, तो वर्कआउट से पहले हाई कार्ब वाली चीजें, प्रोटीन और पोटेशियम युक्त चीजें खानी चाहिए,

क्योंकि ये सभी शरीर में तेजी से टूटकर उर्जा में परिवर्तित हो जाते हैं.

जब जिम में वर्कआउट या व्यायाम करते समय पसीना बहता है तो उसके साथ शरीर से एनर्जी भी जाती है. इसलिए वर्कआउट कभी भी बिना कुछ खाए नहीं करना चाहिए.

सुबह वर्कआउट करने से 1 घंटे पहले कार्बोहाइड्रेट से युक्त खाद्य पदार्थों का सेवन करें. इसमें कम वसा वाली चीजें जैसे अंजीर, पीनट बटर, दही, केला आदि शामिल हैं. वर्कआउट से पहले कार्बोहाइड्रेट युक्त चीजें खाने की सलाह इसलिए दी जाती है क्योंकि सुबह पेट खाली रहता है उसके बाद व्यायाम करने से थकान महसूस हो सकती है. व्यायाम से पहले ब्राउन ब्रेड भी खा सकते हैं, इसमें कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन और आवश्यक मात्रा में वसा भी पाई जाती है.

प्रोटीन युक्त खाद्य का सेवन करें

सुबह उठकर व्यायाम शुरू करने से पहले प्रोटीन से भरपूर चीजें लें जैसे- अंडा, दही, दूध. खाली पेट प्रोटीन लेने से शरीर को जल्दी फायदा पहुंचता है. व्यायाम करने से पहले कार्बोहाइड्रेट और प्रोटीन लेने की वजह यही है कि इनके सेवन के बाद व्यायाम ज्यादा देर के लिए किया जा सकता है और थकान भी महसूस नहीं होती है.

ऐसी डाइट लें, जिसमें ज्यादा पोटेशियम हो

वर्कआउट से पहले पोटेशियम भी शरीर में ऊर्जा को बढ़ाने का काम करता है.

एवोकेडो, शकरकंद और पालक में पोटेशियम प्रचुर मात्रा में होता है. केले में भी काफी पोटेशियम होता है, इनके सेवन से वर्कआउट करने से मांसपेशियों में खिंचाव महसूस नहीं होता है.

जरूर करें दलिया का सेवन

दलिया में काफी मात्रा में कैलोरी, प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, फाइबर होता है. वर्क आउट करने से 3० मिनट पहले दलिया का सेवन करने से यह शरीर में जल्द ही पचकर ऊर्जा में परिवर्तित होता है.

शरीर में न होने दें पानी की कमी

शरीर के लिए पानी बहुत जरूरी है इसलिए ज्यादा पानी पीना चाहिए. कसरत करते समय बहुत ज्यादा पसीना निकलता है, जिससे शरीर में पानी की कमी भी होती है. इसलिए व्यायाम से एक-दो घंटे पहले ही भरपूर पानी पी लेना चाहिए. साथ ही व्यायाम भी इतना करने की कोशिश करना चाहिए कि जो पानी पीया है वह पूरा पसीने के रूप में शरीर से बाहर निकल जाए, लेकिन व्यायाम की यह आदत धीरे-धीरे बढ़ानी चाहिए.

फलों का जूस जल्द कम करता है फैट

व्यायाम करने से 1 घंटे पहले फलों का जूस सेवन करने से भी शरीर में थकान नहीं लगती है. जूस लेने से शरीर में ऊर्जा बनती है, जिससे व्यायाम काफी देर तक किया जा सकता है. जूस में सेब, अनार, संतरा आदि पीना चाहिए. इनमें एंटी-ऑक्सीडेंट तत्व भरपूर होते हैं, जो शरीर को बीमारियों से बचाते हैं. इसके अलावा चुकंदर का जूस लेने से भी फायदा होता है क्योंकि इसमें पाए जाने वाला नाइट्रेट तत्व शरीर में ऑक्सीजन की जरूरत को कम करता है. साथ ही शरीर में हीमोग्लोबिन भी बढ़ाने में मदद करता है. (आरएनएस)

चक्कर आने के अनेक कारण हो सकते हैं

चक्कर आना एक आम समस्या है जिसमें कमजोरी महसूस होती है और बेहोशी लगती है। इसके आने के कई कारण होते हैं। कई बार शरीर में हारमोनल प्रॉब्लम की वजह से चक्कर आने लगते हैं और कई बार रक्तचाप के संतुलित न रहने के कारण ऐसा होता है।

चक्कर आने के दौरान, व्यक्ति को कम सुनाई देता है, उसे धुंधला दिखाई देता है और बात करने में तकलीफ होती है, साथ ही आलस्य भी आता है। चक्कर आने की वजह से वर्टिगो भी हो सकता है जिसमें व्यक्ति को हमेशा ऐसा महसूस होता है कि वह चक्कर खाकर गिर जाएगा। अधेड़ उम्र की महिलाओं में ये समस्या अक्सर देखने को मिलती है। कई व्यक्ति अपना संतुलन भी खो देता है और गिर जाता है।

रक्तचाप में अचानक से बदलाव आने से ऐसा होता है। इसके लिए व्यक्ति को अपना ध्यान रखना चाहिए, उसे समय पर भोजन करना चाहिए और कभी भी भोजन को स्किप नहीं करना चाहिए।

एंटीबायोटिक के सेवन के दौरान भी चक्कर आ सकता है। इसलिए, डॉक्टर की सलाह पर ही दवाओं का सेवन करें। एनिमिया होने की स्थिति में चक्कर आना सामान्य है क्योंकि शरीर में रेड ब्लड सेल्स की कमी हो जाती है। अगर किसी के शरीर में पानी की कमी है तो उस अवस्था में भी चक्कर आ सकता है। ऐसे में अपने साथ हमेशा एक बोतल पानी रखें और समय-समय पर पीते रहें। धड़कन सही न होने पर शरीर से ब्रेन को रक्त उचित मात्रा में नहीं पहुँच पाता है, कई बार इस कारण से भी चक्कर आने लगते हैं। बहुत बार, इस कारण से मृत्यु तक हो जाती है। दिल स्वस्थ न होने पर भी चक्कर आता है।

मानसून में पैरों की खूबसूरती को बरकरार रखने के लिए अपनाएं ये 5 टिप्स

मानसून के दौरान जहां बुखार, खांसी और सर्दी आम बात है, वहीं इस मौसम में पैरों के फंगल या बैक्टीरियल संक्रमण का खतरा भी बढ़ जाता है। इसका कारण है कि बरसात के दिनों में सड़कों पर जलभराव और कीचड़ होने समेत बैक्टीरिया काफी बढ़ जाते हैं, जिनके संपर्क में आने से पैरों की समस्याओं का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में आप इन 5 टिप्स को आजमाकर अपने पैरों को स्वस्थ और खूबसूरत बनाए रख सकते हैं।

बंद जूते पहनने से बचें

मानसून में बंद जूते पहनने से पैरों को काफी नुकसान पहुंच सकता है। इसका कारण है कि अगर इनमें बारिश का पानी या कीचड़ चला जाता है तो इससे पैरों में फंगल इंफेक्शन, खुजली और बदबू जैसी समस्याएं हो सकती हैं। आप मानसून में इन फुटवियर्स को अपने स्टाइल का हिस्सा बना सकते हैं, जो मानसून के अनुकूल भी हैं। साथ ही हमेशा अच्छी क्वालिटी और सही साइट के फुटवियर का चयन करें।

हमेशा अपने पैरों को रखें साफ और सूखा

गीले और गंदे पैरों के कारण फंगल इंफेक्शन, फटी एड़ियां और दाने आदि समस्याएं हो सकती हैं। अगर आप इनसे बचे रहना चाहते हैं तो अपने पैरों को हमेशा साफ और सूखा रखें। इसके लिए जब भी आप कहीं बाहर से घर आए तो सबसे पहले अपने जूते और मोजे एंटी-बैक्टीरियल सॉल्यूशन वाले पानी से धोएं, फिर अपने पैरों को हल्के साबुन और गर्म पानी से साफ करें। इसके अतिरिक्त फर्श या गीली घास पर नंगे पांव चलने से बचें।

पैरों को करें एक्सफोलिएट

एक्सफोलिएशन पैरों के डेड स्किन सेल्स से छुटकारा दिलाने और कीटाणुओं को खत्म करने में मदद करता है। लाभ के लिए 2 बड़ी चम्मच कॉफी पाउडर, आधा चम्मच बेसन और 1 चम्मच चीनी को एक साथ मिलाएं। अब इस मिश्रण को अपने पैरों पर लगाकर हल्के हाथों से रगड़ें और 1० मिनट के लिए मसाज करके अपने पैरों को गुनगुने पानी से धोकर तौलिए से पोछ लें। इसके बाद इन पर मॉइस्चराइजर लगाएं।

पेडीक्योर से बचें और नाखूनों को छोटा रखें

इस मौसम के दौरान सैलून में पेडीक्योर करवाने से बचें क्योंकि आधे रास्ते में ही आपके पैर कीचड़ और गंदगी से खराब हो सकते हैं। इसकी बजाय आप आसान और प्राकृतिक सामग्रियों का इस्तेमाल करके घर पर ही पेडीक्योर कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त लंबे नाखूनों में धूल और गंदगी जमा हो सकती है, जिससे फंगल इंफेक्शन का खतरा बढ़ जाता है इसलिए अपने पैर के नाखूनों को नियमित रूप से ट्रिम करें और उन्हें छोटा रखें।

फुट मास्क का करें उपयोग

फुट मास्क पैरों की सूखी त्वचा और फटी एड़ियों का इलाज करने समेत इन्हें डीप मॉइस्चराइज करने में मदद कर सकते हैं। पैरों की देखभाल के लिए आप फुट मास्क तैयार कर सकते हैं या फिर अपने पैरों को गुनगुने पानी से साफ करके इन पर जैतून का तेल, कोकोआ बटर, हल्दी और विटामिन-श्व कैप्सूल का मिश्रण लगाएं। 5-1० मिनट के बाद पैरों को धोकर तौलिए से पोंछ लें। (आरएनएस)

इकबाल खान के साथ रोमांस करना बहुत बड़ी बातः रचना मिस्त्री

शो 'ना उम्र की सीमा हो' में विधि की मुख्य भूमिका निभा रहीं अभिनेत्री रचना मिस्त्री ने इकबाल खान के साथ रोमांस करने पर खुलकर बात की है और कहा कि यह उनके लिए बहुत बड़ी बात थी। इस शो ने अपनी अद्भुत कहानी के माध्यम से सामाजिक मानदंडों और रूढ़ियों को चुनौती देते हुए समाज में एक नई लहर पैदा की है। शो ने अपनी कहानी से दर्शकों को बांधे रखा है। इसमें इकबाल और रचना, देव और विधि की भूमिका में हैं। अपने किरदारों के जरिए वे दिखाते हैं कि प्यार की कोई उम्र सीमा नहीं होती। टीवी पर अपने से काफी बड़े किरदार इकबाल के साथ रोमांस पर रचना ने कहा, जब मैं स्कूल में थी तो मैं उन्हें टीवी पर देखती थी और आज, हम एक साथ स्क्रीन साझा कर रहे हैं। यह सब मेरे लिए एक सपने के सच होने जैसा है। मुख्य भूमिका में इकबाल खान के साथ आकर मैं बहुत उत्साहित थी, क्योंकि यह मेरे लिए बहुत बड़ी बात थी। मैं बेहद घबराई हुई थी, लेकिन इकबाल सर इतने अच्छे हैं कि उन्होंने मुझे इसका एहसास बिल्कुल भी नहीं होने दिया। रचना ने कहा,उन्होंने मुझे अपना दोस्त बनाया और फिर शूटिंग के दौरान धीरे-धीरे मेरी झिझक खत्म हो गई। मुझे उनसे बहुत कुछ सीखने को मिला। जहां तक रोमांटिक दृश्यों की बात है, मैं उन्हें हमेशा बेहतर तरीके से फिल्माने का श्रेय इकबाल सर को दूंगी।

ना उम्र की सीमा हो शो स्टार भारत पर प्रसारित होता है।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *साध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

-प्रबंधक विज्ञापन

बारिश के मौसम में इस तरह से रखें अपने आप को स्टाइलिश

मानसून ने एक साथ पूरे देश में प्रवेश कर लिया है। बारिश के आने से जहाँ प्रकृति अपने प्राकृत रंगों में नजर आने लगती है, वहीं मनुष्य का मन भी हिलोरें लेने लगता है। आकाश में छाये बादलों को देखते ही कानों में सुनाई देता है चलो कहीं घूमने चलते हैं। मौसम सुहाना है। जैसे ही कहीं घूमने चलने का ख्याल आता है वैसे ही नवयुवतियों और 35-4० की उम्र की महिलाओं के मन में ख्याल आने लगता है कि क्या पहना जाए, जिसमें इस मौसम में स्वयं को फैशनेबल और ट्रेंडी रख सकें। मानसून में समझ नहीं आता कि ऐसा क्या पहना जाए जो इस मौसम के लिहाज से आरामदायक हो। आज हम अपने पाठकों को कुछ ऐसे ट्रेंडी फैशन टिप्स बताने जा रहे हैं जो इस मौसम में आपको स्टाइलिश रखने में मदद कर सकते हैं।

कैसे करें कपड़ों का चुनाव

बरसात के मौसम में ऐसे कपड़ों का चुनाव करना चाहिए जिन्हें पहनकर अगर आप भीग भी जाएं तो कोई परेशानी न हो क्योंकि ऑफिस जैसी जगह पर जहां आपको लंबे समय तक बैठना पड़ता है तो कपड़े जल्दी सूख जाएं तो अच्छा होगा। इस मौसम में कॉटन के कपड़ों का चुनाव करने से बचना चाहिए क्योंकि ये सूखने में ज्यादा समय लेते हैं। हमारी सलाह है कि इस मौसम में डेनिम के बजाय स्कर्ट या फिर कैप्री ट्राय कर सकती है। साथ ही शार्ट्स, वनपीस ड्रेस या शार्ट्स पैंट भी पहन सकती है। बारिश के समय कलरफुल कपड़ों को ज्यादा पहनना चाहिए क्योंकि हल्के रंग के कपड़ों पर कीचड़ और गंदे पानी के धब्बे ज्यादा नजर आते हैं। इस मौसम में जैकेट्स या हुडी को भी पहन सकते हैं। साथ ही कपड़ों के फैब्रिक का भी ध्यान रखना चाहिए क्योंकि गीले कपड़े से त्वचा पर फंगल का होने का खतरा रहता है।

आरामदायक रहेंगी शार्ट ड्रेसेस

मानसून के दौरान शॉर्ट्स, शॉर्ट स्कर्ट और शॉर्ट ड्रेस पहनना लड़कियों के लिए काफी आरामदायक हो सकता है। वैसे ग्रे रंग की पेंसिल स्कर्ट के साथ सफेद रंग की शर्ट को टिमअप करना अच्छा विचार हो सकता है। बारिश में शॉर्ट्स, मिनी स्कर्ट और पेंसिल स्कर्ट आदि तो हमेशा चलन में रहते ही हैं ,लेकिन इन दिनों लड़कियों के फैशन ट्रेड की बात करें तो ट्रेंचकोट एक अच्छा विकल्प हो सकता है। फ्लोरल प्रिंट बरसात के दिनों में जैसे पेड़ पौधे और हरियाली नजर आती है हमें देखने में कितना अच्छा लगता है। ठीक उसी तरह से अगर हम फ्लोरल प्रिंट कपड़े पहनते हैं, तो यह बारिश में बहुत अच्छे लगते हैं और हमारे लुक को काफी इनहांस करते हैं। ऐसे में आप फ्लोरल प्रिंट साड़ी, सूट, कुर्ते, शर्ट आदि पहन सकते हैं।

वाइब्रेंट कलर चुनें

अक्सर लोग चटकीले कलर पहनने से बचते हैं। लेकिन अगर आप मानसून में वाइब्रेंट कलर जैसे रेड, येलो, ग्रीन पहनते हैं तो यह आपके ऊपर बहुत अच्छे लगते हैं। बारिश के मौसम में यह कलर खूब पसंद किए जाते हैं।

स्किन टाइट कपड़े पहनने से बचें

बारिश में हमें बॉडी हगिंग या स्किन टाइट कपड़े पहनने से बचना चाहिए, क्योंकि पानी लगने से यह कपड़े तुरंत ही ट्रांसपेरेंट हो जाते हैं और शरीर के अंग इसमें दिखने लगते हैं। ऐसे में आप हमेशा लूज फिटिंग के कपड़े पहनें।

छतरी और रेनकोट से भी लगे फैशनेबल

बारिश के दिनों में बाहर निकलते समय छतरी या रेनकोट तो हमारी जरूरत का ही एक हिस्सा है। क्यों न इस जरूरत को ही हम चलन में बदल दें। इससे हमारा मतलब है कि आजकल फ्लोरल प्रिंट की ट्रांस्पेरेंट छतरी काफी चलन में हैं जिनके आप ऑरेंज, ऑलिव ग्रीन जैसे रंगों को कंट्रास्ट रंग की ड्रेसेज के साथ ट्राई कर सकते हैं। इस तरह की छतरी भी आपके लुक को स्टाइलिश बनाने में काफी मदद कर सकती है। वाटरप्रूफ मेकअप का करे इस्तेमाल बारिश के मौसम में जहां आप अपने कपड़ों का ख्याल रख रही हैं, वहीं दूसरी और आपको अपने लुक को और बेहतर बनाने के लिए वाटर प्रूफ मेकअप का भी चुनाव करना होगा। क्योंकि अगर बारिश के मौसम में आप वाटरप्रूफ मेकअप का इस्तेमाल नहीं करते हैं तो बारिश के साथ ही आप का लुक भी पानी में बह जाएगा।

बन या हाई पोनी बनाए

बारिश के मौसम में बाल गीले होने के कारण बालों के खराब होने के चांसेस रहते हैं। ऐसे में आप बालों का बन बनाएं या फिर शॉर्ट ड्रेसेस पर हाई पोनीटेल भी बनाकर अपने लुक को कंप्लीट कर सकती हैं। जिससे इस मौसम में फ्रीजी हेयर की समस्या से बचा जा सकता है।

फुटवियर का कैसे करें चयन

पैरों में पहनने के लिए ऐसे फुटवियर हो जो आराम पहुंचाने के साथ ही बारिश में फिसलें नहीं। इस मौसम में ध्यान रखें फुटवियर आपके आसानी से सूख जाएं और साथ ही गंदे पानी से पैरों को भी बचाएं जैसे फ्लोटर्स और गमबटस। (आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य -094

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. आय व्यय का लेखा-जोखा, गणित, एकाउंट 3. विनती, अदब 6. दृष्टांत, सुपुर्दगी, उदाहरण 7. मूल्यवान, बहुमूल्य 8. अच्छे ढंग में गाया जाने वाला सुंदर गीत 10. बराबर, सम 12. मुख, चेहरा 14. अनुकृति, अनुकरण, असल का विलोम 17. दिमाग, मस्तिष्क 18. मनोहर, सुंदर, इच्छित, प्यारा 19. गर्मी, ताप 21. रसिया, प्रेमी, रसपान करने वाला 23. दबाव, भार 24. भीख 25. काम से जी चुराने वाला, आलसी।

ऊपर से नीचे

1. साहस, वीरता, बहादुरी 2. बहिन, प्रवाहित होना 3. प्रणय क्रीडा, सुखोपभोग, हावभाव 4. विश्वास, प्रतीति 5. इंतजार 9. खाने-पीने का सामान, रसद 11. नशीला, मदभरा 12. घायल, जख्मी 13. झुकना, प्रणाम, नमस्कार 14. दृष्टि, निगाह 15. तीव्रइच्छा 16. अर्थ, अभिप्राय, स्वार्थ 20. इम्तिहान, योग्यता आदि को परखना 22. जुल्म, अन्याय 23. पत्नी, बीवी, एक प्रत्यय।

1		2	■	3		4	■	5
	■	6			■	7		
8	9		■	10	11		■	
■		■	■	■		■	■	■
12		13	■	14		15	■	16
	■	17			■	18		
19	20		■	21	22		■	
■		■	■	■		■	23	
24		■	■	25				■

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 93 का हल

दा	ढ़ी	■	की	■	खा	सो	आ	म
वा	■	त	म	न्ना	■	■	जा	■
न	जा	क	त	■	बा	अ	द	ब
ल	■	ली	■	वि	ला	प	■	हा
■	अ	फ	सा	ना	■	मा	हि	र
दा	ब	■	■	श	गु	न	■	■
न	■	उ	प	का	र	■	शि	■
व	■	त्स	■	र	■	त	क	ला
■	सा	व	न	■	गु	रु	वा	र

हॉलीवुड फिल्म हार्ट ऑफ स्टोन से सामने आई आलिया भट्ट की पहली झलक

आलिया भट्ट नेटफ्लिक्स फिल्म हार्ट ऑफ स्टोन से हॉलीवुड में डेब्यू कर रही हैं और प्रशंसक फिल्म में उनकी भूमिका देखने के लिए बेहद उत्साहित हैं।हालांकि अब यह स्पष्ट हो गया है कि अभिनेत्री अपने करियर में पहली बार खलनायक की भूमिका निभा रही है, यह भी देखना बाकी है कि वह आउट-एंड-आउट एक्शन दृश्यों को कैसे निभाती है।फिल्म में अभिनेत्री गैल गैडोट और जेमी डोर्नन के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करेंगी।

नेटफ्लिक्स फिल्म हार्ट ऑफ स्टोन के साथ अपनी पहली हॉलीवुड फिल्म में आलिया भट्ट अपने करियर में पहली बार एक खलनायक की भूमिका निभा रही हैं। अब निर्माताओं ने हार्ट ऑफ स्टोन से आलिया का फर्स्ट लुक जारी कर दिया है। नेटफ्लिक्स इंडिया ने अपने आधिकारिक ट्विटर पर आलिया की पहली झलक साझा की है। इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, आलिया भट्ट हमारे दिल और दिल को हैक करने आ रही हैं।

एक्शन फिल्म में अभिनेत्री के किरदार का नाम केया धवन होगा। इस हाई-स्टेक जासूसी के केंद्र में आलिया है, जो एक रहस्यमय हैकर का किरदार निभा रही है जो सभी बाधाओं को नियंत्रित करती है।

राचेल स्टोन (गैल गैडोट) एक अनुभवहीन तकनीकी विशेषज्ञ है, जो प्रमुख एजेंट पार्कर (जेमी डोर्नन) की अध्यक्षता वाली एक विशिष्ट एमआई6 इकाई में है। उसकी एमआई6 टीम को यह नहीं पता कि स्टोन वास्तव में चार्टर के लिए काम करता है - एक गुप्त शांति स्थापना संगठन, जो अन्य जासूसों से भी गुप्त है, जो वैश्विक खतरों को बेअसर करने के लिए अत्याधुनिक तकनीक का उपयोग करता है।

एक अभूतपूर्व फील्ड एजेंट जो मिशन पर कायम रहता है, संख्याओं का पालन करता है, और किसी पर भरोसा नहीं करता है। जब रहस्यमय हैकर कीया धवन (आलिया भट्ट) द्वारा एक नियमित मिशन को पटरी से उतार दिया जाता है, तो रेचेल की दो जिंदगियां टकरा जाती हैं। चूँकि वह चार्टर की रक्षा के लिए दौड़ती है और बाधाओं को हराने का प्रयास करती है, उसकी मानवता ही उसकी सबसे बड़ी संपत्ति हो सकती है। यह फिल्म 11 अगस्त को केवल नेटफ्लिक्स पर अंग्रेजी, हिंदी, तमिल और तेलुगु में उपलब्ध होगी।(आरएनएस)

फियर इन आईः मंगलवार का टीजर जारी, हिंदी समेत दूसरी भाषाओं में रिलीज होगी फिल्म

अपनी शानदार ब्लॉकबस्टर आरएक्स१०० के लिए जाने जाने वाले, अजय भूपति मंगलवार नामक एक और बेहद दिलचस्प फिल्म लेकर आए हैं। इस कच्ची और देहाती एक्शन थ्रिलर का हिंदी टीज़र आज रिलीज़ हो गया है और इसे कुछ ही समय में सभी से अभूतपूर्व प्रतिक्रिया मिल रही है। जैसा कि टीज़र का शीर्षक आँखों में डर है, इसने लुभावने दृश्यों और रोमांचकारी बीजीएम के साथ कुछ ग्रामीणों की आँखों में डर को उजागर किया।

कंटेंट के बारे में अपने स्वयं के बयानों को सही ठहराते हुए, अजय भारतीय सिनेमा में पहले कभी नहीं देखी गई शैली की फिल्म पेश करते दिखते हैं। बेहद कच्ची और गहन क्लिप ने रीढ़ को ठंडा कर दिया और कंतारा फेम अजनीश लोकनाथ के बैकग्राउंड स्कोर ने इसमें एक भयानक आत्मा जोड़ दी है। पायल राजपूत के अलावा, टीज़र में श्रवण रेड्डी, चैतन्य कृष्णा, नंदिता स्वेता, अजय घोष, लक्ष्मण और कई अन्य लोगों की भी झलक मिली जो फिल्म में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

टीम ने 12 जून को 99 दिनों की शूटिंग सफलतापूर्वक पूरी कर ली थी और अब पोस्ट-प्रोडक्शन कार्यों की ओर बढ़ रही है। इस अवसर पर बोलते हुए, निर्माता स्वाति रेड्डी गुनुपति और सुरेश वर्मा एम ने कहा, हमारे निर्देशक अजय भूपति ने खुद को एक बार फिर एक अभूतपूर्व फिल्म निर्देशक के रूप में साबित किया है। उन्होंने बेहतरीन विषयवस्तु वाली एक व्यावसायिक फिल्म बनाई। यह भारतीय सिनेमा की अगले स्तर की फिल्म होने जा रही है और तत्काल ट्रेंडिंग टीज़र इसकी झलक देता है। हम टीज़र को मिली प्रतिक्रिया से बेहद खुश हैं। गुणवत्ता और सामग्री मानकों से समझौता किए बिना मंगलवार को बनाते हुए, हमने 99 दिनों का शूटिंग शेड्यूल पूरा किया। जबकि पोस्ट-प्रोडक्शन का काम पूरी गति से शुरू हो रहा है, हम पैन-इंडियन रिलीज़ का लक्ष्य बना रहे हैं।

कंतारा फेम अजनीश लोकनाथ का संगीत इस प्रोजेक्ट में एक प्रमुख योगदान बनने जा रहा है। निर्देशक अजय भूपति ने कहा, हमारा मंगलवार ९० के दशक की पृष्ठभूमि पर आधारित एक दुर्लभ एक्शन-थ्रिलर है। यह कच्चे, देहाती दृश्यों और भावनाओं के साथ हमारे जन्म से जुड़ा रहता है।

कहानी में ३० पात्र हैं और प्रत्येक पात्र को फिल्म की बड़ी योजना में एक निश्चित स्थान मिला है। कंतारा फेम अजनीश लोकनाथ इस फिल्म के लिए संगीत दे रहे हैं और इस प्रकार बैकग्राउंड स्कोर फिल्म का एक प्रमुख आकर्षण होगा। स्वाति रेड्डी गुनुपति और सुरेश वर्मा एम मुद्रा मीडिया वर्क्स और ए क्रिएटिव वर्क्स के तहत इस फिल्म का निर्माण किया गया है। निर्माताओं को अपनी फिल्म पर पूरा भरोसा है जिसके चलते उन्होंने इसे पैन इंडिया के तौर पर प्रदर्शित करने की घोषणा की है। यह फिल्म जल्द ही तेलुगु, हिंदी, तमिल, कन्नड़ और मलयालम भाषाओं में रिलीज होगी। (आरएनएस)

न्यूड मेकअप और मरमेड गाउन में जान्हवी ने धरा बोल्ड अवतार

मशहूर फिल्ममेकर बोनी कपूर और दिवंगत लेडी सुपर स्टार श्रीदेवी की बड़ी बेटी जान्हवी कपूर अपने नए बोल्ड लुक की वजह से इस वक्त जबरदस्त ढंग से सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बनी हुई हैं। उनकी कातिलाना अदाएं लोगों को पागल बना रही हैं। उनके ग्लैमरस लुक को देखकर उनके फैंस तो क्रेजी हो गए हैं लेकिन उनका ये हद से ज्यादा बोल्ड अंदाज कुछ लोगों को पसंद नहीं आया है। अभिनेत्री जान्हवी कपूर इस वक्त सोशल मीडिया पर अपने हॉट और बोल्ड लुक को लेकर काफी चर्चित हैं और लोग उनकी फोटो पर कमेंट कर रहे हैं।

आपको बता दें कि एक्टर वरुण धवन और जान्हवी कपूर जल्द ही फिल्म बवाल में साथ दिखाई देंगे, इसी फिल्म की स्क्रीनिंग रखी गई थी। जहां जान्हवी कपूर सेक्सी मेटेलिक सिल्वर मरमेड गाउन पहन पहुंची थी, उनका हॉट लुक केवल स्क्रीनिंग नाईट में ही नहीं बल्कि सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गया है। जान्हवी कपूर के इस सेक्सी अवतार में उनके न्यूड मेकअप ने चार चांद लगा दिया, जिसने उनके फैंस को उनके लिए क्रेजी कर दिया। हालांकि कुछ लोग ऐसे भी थे जिन्हें जान्हवी कपूर का ये अंदाज पसंद नहीं आया और उन्होंने उन्हें ट्रोल करने की कोशिश की और उन पर गंदे-गंदे कमेंट कर डाले। कुछ लोगों ने जान्हवी कपूर को प्लास्टिक कपूर कह डाला तो किसी ने लिखा कि एक्टिंग पर नहीं फिगर पर जोर, जो कि काफी बेकार है।

यूजर्स यहीं नहीं रूके, उन्होंने फोटो देखकर बोला- इसके अंदर प्लास्टिक किसने भरा?, फिलहाल जान्हवी को लेकर लगातार बयानबाजी जारी है। आपको बता दें कि जान्हवी कपूर और वरूण धवन पहली बार पर्दे पर साथ दिखाई देंगे, ये एक मसाला टाइप की फिल्म है, जिसमें रोमांस, कॉमेडी और एक्शन सब होगा। फिल्म बवाल प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी,ये वरूण और जाह्नवी दोनों के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि दोनों को ही एक बड़ी हिट की जरूरत है।

जान्हवी कपूर इस फिल्म के बाद 'एनटीआर ३०', मिस्टर एंड मिसेज माही और फिल्म 'मिली' में नजर आएंगी, आपको बता दें कि मिली'को उनके पापा यानी कि बोनी कपूर बना रहे हैं।

गदर 2 का दूसरा गाना खैरियत आया सामने, अरिजीत सिंह ने दी आवाज

सनी देओल और अमीषा पटेल की गदर 2 की रिलीज डेट जैसे-जैसे पास आ रही है, इसके लिए उत्सुकता भी बढ़ती ही जा रही है. वहीं, मेकर्स भी इस बेसब्री को लगातार किसी न किसी तरीके से बढ़ा ही रहे हैं. अब फिल्म का नया गाना खैरियत रिलीज किया गया है, जिसमें सनी देओल काफी भावुक नजर आ रहे हैं. इसमें वह अपने बेटे जीते की सलामती के लिए दुआएं करते हुए नजर आ रहे हैं.

गाने में देखा जा सकता है कि सनी एक ट्रक पर बैठे हुए और अपने बेटे की यादों पर में खोए हुए हैं. यहां वह अपने बच्चे की सलामती के लिए दुआ कर रहे हैं. वहीं, घर में बैठी अमीषा पटेल भी नम आंखों से अपने बेटे की खैरियत की दुआ कर रही हैं. खैरियत इतनी खूबसूरती से पेश किया गया है कि यह गाने में देखा जा सकता है कि जब बच्चा माता-पिता की नजरों से दूर किसी परेशानी में हो तो उनके दिल पर क्या बीतती है.

इस गाने को देखकर ऐसा अनुमान लगाया जा रहा है कि सनी देओल इस बार अपने बेटे के लिए हिन्दुस्तान से पाकिस्तान तक का सफर तय कर रहे हैं. इस पूरे रास्ते में उन्होंने बेटे की फोटो और यादें अपने सीने से लगाकर रखी हैं.

गाने के बीच में पिछली फिल्म गदर की भी कुछ झलकियां देखने को मिल रही हैं, जिनमें तारा सिंह, सकीना और जीते के कुछ सीन्स दिखाए गए हैं, जो इस गाने को और खूबसूरत बना रहे हैं. इस गाने में अरिजीत सिंह और मिथुन ने आवाज दी है. इसे कंपोज किया है मिथुन ने है और इसके बोल सैयद कादरी ने सजाए हैं.

गौरतलब है कि इससे पहले गदर 2 का उड़ जा काले कावा भी रिलीज किया गया था. इसे भी दर्शकों का खूब प्यार मिला है. इस गाने के साथ ही २००१ में आई गदर की यादें भी ताजा हो गईं और फिल्म के लिए बेताबी बढ़ गई है. बता दें कि फिल्म में तारा और सकीना के बेटे जीते के रोल में एक बार फिर उत्कर्ष शर्मा ही नजर आ रहे हैं. फिल्म इसी साल 11 अगस्त को रिलीज होने वाली है.

शरवरी पर बड़ा दांव खेलेगा यशराज फिल्म्स!

पिछले दिनों खबर आई थी कि आलिया भट्ट यशराज फिल्म्स के स्पाई यूनिवर्स का हिस्सा बन गई हैं। इस खबर ने बॉलीवुड गलियारों में खूब तूल पकड़ा, क्योंकि आलिया को बेशक बहुत बड़ा मौका मिला है। अब खबर है कि इस स्पाई फिल्म में आलिया के साथ अभिनेत्री शरवरी वाघ नजर आएंगी। यशराज फिल्म्स इन दोनों अभिनेत्रियों के साथ अपने नए सफर की शुरुआत करने के लिए उत्साहित है।

रिपोर्ट के मुताबिक, वाईआरएफ के स्पाई यूनिवर्स में आलिया के साथ शरवरी शामिल हो गई हैं। शूटिंग २०२४ के मध्य तक शुरू होगी। शरवरी ने बंटी और बबली 2 में अपने प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया, लेकिन फिल्म बॉक्स ऑफिस पर नहीं चल पाई। हालांकि, आदित्य चोपड़ा को शरवरी की प्रतिभा पर भरोसा है। उन्हें लगता है कि उनमें वो बात है, जो किसी सुपरस्टार में होनी चाहिए, इसलिए वह उन पर बड़ा दांव खेलने को तैयार हैं।

पठान में शाहरुख खान और सलमान खान को साथ देख दर्शकों ने खूब सीटियां बजाईं। अब आलिया और शरवरी पर यशराज फिल्म्स यह प्रयोग करने वाला है। इन फिल्मों में दोनों का धांसू एक्शन अवतार देखने को मिला। वे पर्दे पर साथ में जासूसी करती दिखेंगी। जल्द ही उनकी ट्रेनिंग शुरू होगी। वे अपने-अपने किरदार की तैयारी के लिए वर्कशॉप में भी शामिल होने वाली हैं। शरवरी फिल्म के मिशन में आलिया के साथ अहम भूमिका निभाएंगी।

एक था टाइगर, टाइगर जिंदा है, वॉर, पठान, टाइगर 3, वॉर 2 और टाइगर वर्सेज पठान के बाद आलिया और शरवरी अभिनीत यह फिल्म वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स की 8वीं फिल्म होगी। इसके निर्देशक का नाम सामने नहीं आया है, लेकिन इतना तय है कि यशराज इसे पठान और अपने इस यूनिवर्स की पिछली फिल्मों के स्तर पर ही बनाने वाला है। यशराज के स्पाई यूनिवर्स का ऐलान इसी साल हुआ था। इसमें स्पाई यानी जासूसी पर आधारित फिल्में शामिल होंगी।

शरवरी ने 16 की उम्र में एक मॉडल के तौर पर अपना करियर शुरू किया था। उन्होंने २०१५ में बतौर सहायक निर्देशक अपनी पारी शुरू की थी। वह लव रंजन की प्यार का पंचनामा 2 और सोनू के टीटू की स्वीटी और निर्देशक संजय लीला भंसाली की बाजीराव मस्तानी की सहायक निर्देशक रह चुकी हैं। इसके बाद २०२० में उन्होंने कबीर खान की वेब सीरीज द फॉरगॉटन आर्मी- आजादी के लिए से अभिनय की दुनिया में कदम रखा था।

शरवरी की पहली फिल्म बंटी और बबली 2 थी, जिसके लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का फिल्मफेयर पुरस्कार मिला। आदित्य ने ही यह फिल्म बनाई थी। आमिर खान के बेटे जुनैद खान के साथ फिल्म महाराजा में भी शरवरी मुख्य भूमिका निभाने वाली हैं। (आरएनएस)

भाजपा को अपनी चुनौतियां पता हैं

अजीत द्विवेदी

कोई भी चुनाव आसान नहीं होता है और भारतीय लोकतंत्र की यह खूबी रही है कि जिस पार्टी या नेता ने आसान मान कर चुनाव लड़ा उसे हार का सामना करना पड़ा। भारत में चुनावों की एक खासियत यह भी रही है कि जिस समय कोई पार्टी जीत के अति आत्मविश्वास में रही उसी समय मतदाताओं ने उसको सबसे बड़ा झटका दिया। राष्ट्रीय चुनावों के इतिहास में 2००4 के चुनाव को इसकी मिसाल के तौर पर पेश किया जाता है। उस समय भाजपा अपनी जीत के सर्वाधिक भरोसे में थी लेकिन हाशिए में पहुंच गई कांग्रेस ने उसे हरा दिया। अगले चुनाव को लेकर भी भाजपा के नेता उसी तरह आत्मविश्वास में हैं। पंरतु इस बार फर्क यह है कि भाजपा को अपनी चुनौतियों का पता है। उसे एकजुट विपक्ष की ताकत और नरेंद्र मोदी के 1० साल के राज को लेकर बन रहे सत्ताविरोधी माहौल का अंदाजा भी है। तभी वह चुनाव के एक साल पहले से तैयारियों में जुट गई है।

भाजपा की मुश्किल दो तरह की है। एक मुश्किल अंदरूनी है और दूसरी बाहरी। बाहरी मुश्किल का मतलब विपक्ष की चुनौती से है। इससे पहले 2०19 के चुनाव में विपक्ष चुनौती देने की स्थिति में नहीं था। लोकसभा चुनाव पुलवामा कांड और उरी व बालाकोट सर्जिकल स्ट्राइक की पृष्ठभूमि में हुए थे। बतौर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता चरम पर थी। साथ ही अपनी सरकार के पहले पांच साल में नरेंद्र मोदी ने दर्जनों योजनाएं शुरू की थीं, जिनसे आम लोगों में अपना जीवन बदल जाने की उम्मीद बंधी थीं। लोग अच्छे दिन आने का इंतजार कर रहे थे और उनको लग रहा था कि सरकार की योजनाएं अगर पूरी होती हैं तो निश्चित रूप से अच्छे दिन आएंगे। पहले पांच साल में सरकार का फोकस राजनीति पर कम और योजनाओं पर ज्यादा था। तभी लोगों ने पहले से ज्यादा बहुमत देकर नरेंद्र मोदी को दूसरी बार प्रधानमंत्री बनाया।

मोदी का दूसरा कार्यकाल लोगों की उम्मीदें पूरी करने वाला नहीं साबित हुआ, बल्कि विवादित राजनीतिक फैसलों का रहा और विपक्षी पार्टियों की साख बिगाड़ने और उनके खिलाफ कार्रवाई करने वाला रहा। पहले कार्यकाल में जो योजनाएं शुरू हुई थीं उनको पूरा करने का प्रयास कहीं नहीं दिखा। काला धन वापस नहीं आया। स्मार्ट सिटी नहीं बनी। मेक इन इंडिया का अभियान कहीं नहीं पहुंचा। महंगाई कम होने की बजाय आसमान छूने लगी। पेट्रोल-डीजल के दाम कम नहीं हुए। डॉलर की कीमत 8० से ऊपर पहुंच गई। स्वच्छता अभियान और बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ नारा बन कर रह गया। सो, दूसरा कार्यकाल मोहभंग वाला रहा। भले वह प्रत्यक्ष नहीं दिख रहा हो या सोशल मीडिया में हिंदू-मुस्लिम के नैरेटिव से उसे दबाया जा रहा हो लेकिन सत्ता विरोध की अंतर्धारा हकीकत है। भाजपा के नेता इस बात को समझ रहे हैं।

दूसरी बाहरी मुश्किल विपक्ष का गठबंधन है। भाजपा ने पहले इसे गंभीरता से नहीं लिया था। लेकिन पटना की बैठक के बाद उसे गंभीरता समझ में आई। पहली बार उसको लगा कि विपक्षी पार्टियां अपने निजी हितों को छोड़ कर साथ आ सकती हैं। सचमुच आमने सामने का मुकाबला बन सकता है। तभी उसके बाद विपक्ष को कमजोर करने का प्रयास तेज हुआ, जिसके तहत महाराष्ट्र में एनसीपी को तोड़ा गया। दूसरा काम यह हुआ कि ठंडे बस्ते में डाल दिए गए एनडीए को झाड़-पोंछ कर मुकाबले के लिए तैयार किया गया। दिल्ली में एनडीए के नए व पुराने सहयोगियों की बड़ी बैठक हुई, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी शामिल हुए। पिछले चुनाव से पहले ऐसी कोई कवायद नहीं हुई थी क्योंकि इसकी जरूरत नहीं महसूस की गई थी। तब विपक्ष एकजुट नहीं था और भाजपा के पुराने सहयोगी उसके साथ थे। पंजाब में अकाली दल, बिहार में जनता दल यू और महाराष्ट्र में शिव सेना उसके साथ थी। आज वह स्थिति नहीं है इसलिए भाजपा को भी मजबूत गठबंधन बनाने की जरूरत महसूस हो रही है।

तीसरी बाहरी मुश्किल नैरेटिव की है। नरेंद्र मोदी विकास के दावे और विपक्ष के भ्रष्ट होने के नैरेटिव पर चुनाव जीते थे। प्रधानमंत्री बनने के बाद उन्होंने अपने मुंह से कहा था कि वे ऊपर से नीचे तक राजनीति की सफाई करेंगे। लेकिन राजनीति की सफाई नहीं हुई। उलटे समय के साथ संसद के दोनों सदनों में दागी और करोड़पति सांसदों की संख्या बढ़ती गई। दूसरी पार्टियों के भी जितने आरोपी और दागी नेता थे उनमें से बहुत से नेता भाजपा में शामिल हो गए। प्रधानमंत्री आज भी विपक्ष पर भ्रष्टाचार के आरोप लगा रहे हैं लेकिन अब ये आरोप लोगों के मन में विपक्ष के प्रति गुस्सा नहीं पैदा कर रहे हैं, बल्कि इनसे भाजपा का अपना दोहरा रवैया जाहिर हो रहा है। विकास के मामले में भी भारत पिछड़ गया है तभी 2०22 के लिए तय किए तमाम लक्ष्य 2०47 तक बढ़ा दिए गए हैं। अब भारत को अमृतकाल में यानी अगले 24 साल में विकसित बनाने का वादा किया जा रहा है। परंतु यह ध्यान रखने की बात है कि 1० साल राज करने के बाद कोई भी सरकार सिर्फ वादों पर वोट नहीं ले सकती है। सो, भाजपा के पास नैरेटिव की कमी है।

इन बाहरी मुश्किलों के साथ साथ भाजपा के सामने आंतरिक चुनौतियां भी हैं। हिमाचल प्रदेश और कर्नाटक की हार में इस आतंरिक चुनौती का बड़ा हाथ रहा। असल में भाजपा के 1० साल के शासन में दो काम मुख्य रूप से हुए हैं। एक सत्ता का केंद्रीकरण हुआ है। भाजपा जैसी विकेंद्रित पार्टी के लिए यह नई बात थी। जिस पार्टी में छोटे नेता और कार्यकर्ता की पहुंच भी शीर्ष तक थी वहां सब कुछ चंद लोगों के हाथ में सिमट गया। थोड़े समय के बाद यह आम कार्यकर्ता और मध्य व निचले क्रम के नेताओं के लिए बहुत बेचैनी पैदा करने वाला था। उसके बाद दूसरा काम दूसरी पार्टियों से तोड़ कर नेताओं को भाजपा में लाना था। दूसरी पार्टियों के नेताओं और लैटरल एंट्री से पार्टी में आने वाले यानी रिटायर अधिकारियों आदि की वजह से पार्टी के पुराने और प्रतिबद्ध नेताओं के लिए अवसर कम हुए। उनको लगने लगा कि भाजपा में उनकी महत्वाकांक्षाएं पूरी नहीं हो सकती हैं। ध्यान रहे किसी पार्टी का टूटना या नेताओं का पार्टी छोड़ना बुरा है लेकिन उससे ज्यादा बुरा होता है कि पार्टी के अंदर नेताओं व कार्यकर्ताओं का उत्साह खत्म होना, यही भाजपा के साथ हुआ है। नेताओं का उत्साह खत्म है और उनके अंदर कोई बड़ा मोटिवेशन नहीं बचा है। दूसरे नेताओं के आने और राज्यों में सरकार बनाने के लिए होने वाली जोड़-तोड़ ने वैचारिक भटकाव पैदा किया और इससे भी आम नेता, कार्यकर्ता और यहां तक कि प्रतिबद्ध मतदाता भी प्रभावित हुआ है।

तभी सब कुछ होने के बावजूद भाजपा मुश्किल में है। भाजपा सबसे बड़ी और मजूबूत पार्टी है, मोदी के मुकाबले कोई मजबूत विपक्षी नेता नहीं है और सूचना प्रवाह को नियंत्रित करने का पूरा साधन भाजपा के पास है। फिर भी उसके लिए लड़ाई कठिन हो गई है। 1० साल में सरकार ने क्या किया बनाम 24 साल में क्या करेंगे के बीच तुलना हो रही है। भाजपा की ओर से जन कल्याण के काम गिनाए जा रहे हैं लेकिन जो काम भाजपा बता रही है वही काम उससे बेहतर तरीके से राज्यों में सरकारें कर रही हैं। इसलिए उसमें अब कोई नयापन नहीं है। उलटे धीरे धीरे किसान आंदोलन से लेकर पहलवान आंदोलन और मणिपुर हिंसा से लेकर चीन के अतिक्रमण तक की बातें लोगों के दिमाग में जगह बना रही हैं। भाजपा के लिए अच्छी बात यह है कि उसके नेता इन चुनौतियों को समझ रहे हैं इसलिए उनके निपटने के उपाय कर रहे हैं। एनडीए को पुनर्जीवित करना उन्हीं उपायों का एक हिस्सा है।

सू- दोकू क्र.094

	7			4		3		
2			3			9		4
	6			2				
3		1			7		4	
	2			1			6	
8			9		4			1
		2		3		7		
1			7		2	4		3
	5	3		8			7	2

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.93 का हल

9	2	8	3	1	5	7	4	6
4	1	6	8	9	7	2	5	3
7	3	5	4	6	2	8	1	9
2	7	3	9	8	1	4	6	5
5	4	1	6	7	3	9	2	8
6	8	9	2	5	4	1	3	7
3	6	2	7	4	9	5	8	1
8	5	7	1	2	6	3	9	4
1	9	4	5	3	8	6	7	2

गरीबी पर बहस हो

ऐसी रिपोर्ट के साथ यह सवाल जुड़ा होता है कि इसे जारी करने का मकसद असल सूरत को सामने लाना है ताकि गरीबी उन्मूलन की दिशा में प्रगति हो सके- या अपनी सफलता का बखान करना?

पिछले हफ्ते संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) ने बहुआयामी गरीबी सूचकांक जारी किया था, जिसमें बताया गया कि इस पैमाने पर भारत में गरीबों की संख्या घटकर 16.4 रह गई है। सोमवार को नीति आयोग ने इसी पैमाने पर अपनी रिपोर्ट जारी की, जिसमें बताया गया कि भारत में 2०19-21 में घटकर 14.96 प्रतिशत रह गई है। दोनों रिपोर्टों में बताया गया कि उन्होंने अपनी गणना को राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वे-5 को आधार बनाया गया है। तो आखिर यह अंतर कैसे आ गया? यह अंतर इसलिए आया कि नीति आयोग ने दो नए पैमाने जोड़े। उसने प्रसव के समय मातृ मृत्यु दर और बैंक खातों को भी गरीबी मापने का आधार बनाया। इसके अलावा रसोई गैस की उपलब्धता जैसे आधार का वजन बढ़ा दिया गया। उससे लगभग डेढ़ प्रतिशत का फर्क पड़ गया। यह अंतर ये भी बताता है कि गरीबी मापने में अगर कुछ भी हेरफेर कर दी जाए, तो संख्या में भारी फर्क पड़ सकता है। नीति आयोग की रिपोर्ट के मुताबिक उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, ओडिशा और राजस्थान में गरीबी दर में सबसे तेज कमी देखी गई।

बहुआयामी गरीबी पैमाने पर भारत में 2०15-16 में 24.85 प्रतिशत लोग गरीब थे, जो संख्या 2०19-21 में 14.96 प्रतिशत हो गई। यानी पांच साल में गरीबी 9.89 प्रतिशत घटी है। यह भी दावा किया गया है कि ग्रामीण क्षेत्रों में गरीबों की संख्या में सबसे अधिक गिरावट आई है। रिपोर्ट के मुताबिक ग्रामीण क्षेत्रों में गरीबी 32.59 प्रतिशत से घटकर 19.28 प्रतिशत हो गई, जबकि शहरी क्षेत्रों में गरीबी 8.65 प्रतिशत से घटकर 5.27 प्रतिशत हो गई। लेकिन ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच असमानताएं बनी हुई हैं। शहरी क्षेत्रों में 5.27 प्रतिशत की तुलना में ग्रामीण आबादी का 19.28 प्रतिशत बहुआयामी रूप से गरीब है। बहरहाल, ऐसी रिपोर्ट के साथ यह सवाल जुड़ा होता है कि इसे जारी करने का मकसद असल सूरत को सामने लाना है ताकि गरीबी उन्मूलन की दिशा में प्रगति हो सके- या अपनी सफलता का बखान करना? खासकर यह सवाल इसलिए बरबस उठ जाता है, जब आंकड़ों से खिलवाड़ होता हुआ नजर आता है।(आरएनएस)

युवती की फेक आईडी बना अश्लील वीडियो डालने पर मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। युवती की फेक आईडी बनाकर उसमें अश्लील फोटो व वीडियों डाउनलोड करने पर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सुन्धोवाली तरला आमवाला निवासी महिला ने रायपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि आज उसकी बेटी को एक फेक इन्सटाग्राम आईडी जिसपर उसकी बेटी का फोटो लगा हुआ था तथा उस आईडी में उसका मोबाइल नम्बर डाला गया था। उसकी बेटी को उक्त आईडी से फ्रेन्ड रिक्वेस्ट आई देखा तो उक्त आईडी में किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा उसकी बेटी के नाम से फेक आईडी बनाकर प्रोफाईल पर उसकी बेटी की फोटो लगाई गई है तथा उक्त आईडी में अश्लील फोटोए डाली गयी है कुछ अश्लील विडियो के साथ उसकी बेटी का फोटो लगाकर डाला गया है।

उक्त अज्ञात व्यक्ति द्वारा उसकी बेटी को बदनाम करने की नियत से उसके नाम से फेक आईडी बनाकर उक्त कृत्य किया गया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

सरकार साफ शब्दों मे अपनी स्थिति स्पष्ट करें: सिंह

कार्यालय संवाददाता

डोईवाला। सरकार की टाउनशिप अथवा किसी भी योजना के खिलाफ अखिल भारतीय किसान सभा ने बैठक कर जारी किया बयान। किसान सभा जिलाध्यक्ष दलजीत सिंह की अध्यक्षता मे उनके निवास पर बैठक कर कहा की लगातार पिछले 15 दिनों से मीडिया के माध्यम से जानकारी के बाद सरकार द्वारा प्रस्तावित इंटिग्रेटेड टाउनशिप अथवा किसी भी योजना के खिलाफ डोईवाला क्षेत्र के किसान व आम जनता प्रदर्शन कर आंदोलित है जिसके चलते 25 जुलाई 2023 को डोईवाला के निर्मल फार्म हाउस मे एक महापंचायत हुई जिसमे मुख्य वक्ता के तौर पर किसान नेता जगतार सिंह बाजवा व चौधरी राकेश टिकैत शामिल हुए। किसानों की इस महापंचयात और लगातार आंदोलन से घबराई सरकार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर एक बयान जारी कर कहा कि सरकार की ऐरोसिटी को लेकर कोई योजना नहीं है और अगर कोई भी विकास संबंधित योजना सरकार लाती है तो किसानों से बिना सहमति के कोई भी भूमि का अधिग्रहण नहीं किया जायेगा। इस संबंध मे किसान सभा ने सरकार कि प्रेस कॉन्फ्रेंस को शब्दों का मकड़ जाल बताया है। किसान सभा ने कहा कि उत्तराखंड के मुख्यमंत्री को अगर मगर की बात न करके डोईवाला क्षेत्र की जनता को अश्वस्त करना चाहिए कि सरकार की कोई भी भूमि अधिग्रहण समन्धि योजना डोईवाला क्षेत्र मे नहीं लायी जाएगी और न ही किसानों की भूमि का कोई अधिग्रहण किया जायेगा। सरकार इस सम्बन्ध मे साफ शब्दों मे अपनी स्थिति स्पष्ट करें।

बैठक मे मुख्य रूप से किसान सभा डोईवाला मंडल अध्यक्ष बलबीर सिंह, उपाध्यक्ष जाहिद अंजुम, मंडल सचिव,याकूब अली के अलावा अनूप कुमार पाल, सरजीत सिंह, पूरण सिंह, जगजीत सिंह, किशन सिंह, बलबीर सिंह बिन्दा, हरबंश सिंह, प्रेम सिंह, साधु राम, नरेंद्र सिंह, गुरचरण सिंह आदि ने शिरकत की।

महामंत्री पद पर नियुक्त होने पर तरुण चुग को किया सम्मानित

संवाददाता

हरिद्वार। तरूण चुग के तीसरी बार राष्ट्रीय महामंत्री पर पर नियुक्त होने पर भाजपा नेता संजय चोपडा ने उनको सम्मानित किया।

आज यहां भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी घोषित किए जाने से उत्साहित भाजपा के नेता संजय चोपड़ा ने राष्ट्रीय हाईकमान का आभार प्रकट करते हुए भारतीय जनता पार्टी के तीसरी बार राष्ट्रीय महामंत्री पद पर नियुक्त किए गए तरुण चुग से भाजपा नेता संजय चोपड़ा ने नई दिल्ली स्थित कार्यलय पर शिष्टाचार भेंट कर रुद्राक्ष की माला पहनाकर अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर भाजपा नेता संजय चोपड़ा ने भाजपा राष्ट्रीय हाईकमान द्वारा तीसरी बार भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुग भाजपा की जो बड़ी जिम्मेदारी दी गई है उससे भाजपा के देश भर के तमाम कार्यकर्ता उत्साहित है। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री तीसरी बार तरुण चुग को बनाए जाने से उत्साहित भाजपा कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह का आभार प्रकट किया।

भारतीय वैश्य महासंघ उत्तराखंड की बैठक आयोजित

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। भारतीय वैश्य महासंघ उत्तराखंड की एक बैठक आज शिवाजी धर्मशाला में आयोजित की गई जिसमें महानगर इकाई महिला इकाई एवं जीएमएस मंडल पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष विनय गोयल द्वारा की गई। सभा में संगठन द्वारा आयोजित वैश्य युवक-युवती परिचय सम्मेलन की समीक्षा की गई एवं सभी सदस्यों से इसकी रूपरेखा को और अधिक भव्य और सफल बनाने के लिए सुझाव आमंत्रित किए गए।

विनय गोयल ने बताया कि यह सफल परिचय सम्मेलन सभी के सहयोग से ही संभव हो सका है जिसमें सैकड़ों की संख्या में रिश्ते होने की जानकारी प्राप्त हुई है क्योंकि सम्मेलन में केवल दोनों पक्ष आपस में मिलते हैं और रिश्ता होने में समय लगता है जिससे कि अब उसका रिजल्ट धीरे-धीरे मिल रहा है।

इस अवसर पर डॉक्टर नवीन सिंघल ने सुझाव यह भी दिया की श्री अग्रसेन जयंती को 1 सप्ताह तक मनाया जाए जिसमें भिन्न प्रकार के सांस्कृतिक एवं ज्ञानवर्धक प्रतियोगिताएं बच्चों के मध्य कराई जाए जिससे इसमें बच्चों और महिलाओं की सहभागिता और अधिक हो सके जिस पर प्रदेश अध्यक्ष विनय गोयल ने बताया की श्री अग्रसेन जयंती समाज की दूसरी संस्था अग्रवाल समाज देहरादून द्वारा आयोजित किया जाता है अत: हम यह उन्हीं को निवेदन करेंगे कि वह इसको इस प्रकार से आयोजित किया करें जिसमें हम भी सहभागिता रखेंगे हम केवल अपने जो नियमित चार प्रोग्राम करते हैं उसी को करेंगे हम अपने किसी भी अन्य संगठन के साथ में कोई प्रतियोगिता यह प्रतिद्वंदिता नहीं रखना चाहते। उन्होंने सभा में उपस्थित अग्रवाल समाज के महामंत्री फतेह चंद जी को इस बारे में अवगत भी करा दिया।

महानगर कांग्रेस ने फूंका बंसल का पुतला

हमारे संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड से राज्यसभा सांसद नरेश बंसल द्वारा राज्यसभा में भारतीय संविधान से इंडिया शब्द हटाने की मांग के विरोध में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने महानगर अध्यक्ष डॉ जसविन्दर सिंह गोगी के नेतृत्व में नरेश बंसल का पुतला फूंका और नारेबाजी की।

गोगी ने कहा कि इंडिया ढाई हजार साल पुराना शब्द है। ये शब्द इंडस यानी सिंधु नदी से निकला है। ये कोई अंग्रेजों का दिया शब्द नहीं है। सनातन धर्म के लिए प्रचलित हिन्दू शब्द भी इंडस या सिन्धु नदी से निकला है। भाजपा का बस चले तो हिन्दू शब्द पर भी प्रतिबंध लगा दे क्योंकि भाजपा के लिए राजनीति का मतलब जनकल्याण नहीं बल्कि शब्दों से खेलना और लोगों का ध्यान जरुरी मुद्दों से भटकाना ही है। दुनिया भर में हमारे देश को भारत और इंडिया दोनों ही नामों से जाना जाता है और दोनों ही नामों से देश वासियों की भावनायें जुड़ी हैं। गोगी ने कहा कि भाजपा के पाखण्ड की हद तो ये है कि बीते सालों में भाजपा सरकार ने स्टार्टअप इंडिया, मेक इन इंडिया, खेलो इंडिया जैसे कई अभियान और योजनाएं शुरु की हैं और खुद को सोशल मीडिया पर बीजेपी फॉर इंडिया लिखते हैं।

यह संविधान का अपमान और संविधान निर्माता बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर का अपमान है। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि वास्तविकता ये है कि 26 पार्टियों के गठबंधन 'इंडिया' से घबराकर मोदी और उनके नेता कहीं न कहीं भयभीत हैं, इसलिएअनर्गल प्रलाप कर रहे हैं।

इस अवसर पर डॉ विजेंद्र पाल, मनीष नागपाल, नवीन जोशी, सुनील जयसवाल, सावित्री थापा, अरुण रतूड़ी राजेंद्र राज ,सुमित्रा ध्यानी, पूनम कंडारी, मुकेश सोनकर, सलीम अंसारी अल्ताफ अहमद, नरेश बंगवाल, रवि हसन, हेमंत उपरेती, संजय गौतम, सज्जाद अंसारी, अरुण बलूनी, अजीत शर्मा जी, रामबाबू जी, वीरेंद्र पवार, आनंद त्यागी सहित कई लोग उपस्थित रहे।

इंडिया नाम से इतना डरी बीजेपी कि इसे हटाने की तैयारी: लालचंद

हमारे संवाददाता

देहरादून। विपक्षी दलों के गठबंधन इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव एलायंस (इंडिया) के नाम से बीजेपी इतना डर गई है कि पहले बौखलाहट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इंडिया नाम को सिमी, मुजाहिद्दीन और ईस्ट इंडिया कंपनी से जोड़ दिया वहीं अब उत्तराखंड से बीजेपी सांसद नरेश बंसल ने राज्यसभा में इंडिया शब्द को ही संविधान से हटाने की पैरवी कर डाली है।

मीडिया को जारी बयान के माध्यम से यह बात कांग्रेस महानगर के पूर्व अध्यक्ष लालचंद शर्मा द्वारा कही गयी। उन्होने कहा कि यह बीजेपी की बौखलाहट का नतीजा है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड से बीजेपी के राज्यसभा सांसद नरेश बसंल ने शुक्रवार 28 जुलाई को राज्यसभा में कहा कि संविधान से इंडिया शब्द को हटा दिया जाए, क्योंकि ये गुलामी का प्रतीक है। लालचंद शर्मा ने कहा कि जब बीजेपी को लगा कि वह चुनाव हारने वाली है, तो अब इंडिया नाम को लेकर देश में बहस छेड़कर लोगों को ध्यान ज्वलंत मुद्दों बेरोजगारी, महंगाई, गरीबी से हटाना चाहती है। बीजेपी का प्रयास है कि लोगों को आपस में बांटकर रखा जाए ताकि चुनाव में उसे फायदा पहुंचे। उन्होने कहा कि मणिपुर तीन माह से हिंसा की आग में झुलस रहा है, तीन मई से हिंसा होने के बावजूद अभी तक वहां स्थिति नियंत्रण में करने में केंद्र और राज्य की डबल इंजन सरकार फेल हो रही है। वहीं लोगों का ध्यान बांटने के लिए अब इंडिया के नाम से राजनीति हो गई है। उन्होने सवाल उठाते हुए कहा कि बीजेपी को यदि इंडिया शब्द से इतनी परेशानी है तो आज की तारीख तक अपने ट्विटर अकाउंट के नाम से इंडिया क्यों नहीं हटाया। कुछ समय पहले तक पीएम मोदी वोट फार इंडिया, डिजिटल इंडिया, खेलेगा इंडिया, बढ़ेगा इंडिया, मेक इन इंडिया सहित कई नारे देते रहे हैं। फिर प्रेजीडेंट आफ इंडिया, प्राइम मिनिस्टर आफ इंडिया आदि भी दस्तावेजों में लिखा जाता है। इस पर बीजेपी तब तक चुप क्यों रही, जब तक विपक्षी गठबंधन का नाम इंडिया नहीं पड़ा।

नरेश बंसल को भाजपा की राष्ट्रीय सह कोषाध्यक्ष बनाने पर दी बधाई

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। भारतीय वैश्य महासंघ उत्तराखंड ने अपने संरक्षक नरेश बंसल को भारतीय जनता पार्टी के केंद्रीय पदाधिकारियों की अति महत्वपूर्ण टीम में सम्मिलित कर राष्ट्रीय सह कोषाध्यक्ष का दायित्व दिये जाने पर बहुत बहुत बधाई और शुभ कामनाएं देते हुए मिष्ठान वितरण किया तथा समाज की ओर शाल ओढ़ाकर उन्हें सम्मानित किया।

इस अवसर पर संस्था के प्रदेश अध्यक्ष विनय गोयल ने कहा कि यह समाज के निरन्तर निस्वार्थ सेवा भाव तथा प्रखर राष्ट्र भक्तिपूर्ण ईमानदार साख का परिणाम है कि देश एवं पार्टी के अमृत काल में 2024 के लोकसभा चुनाव के काल में नरेश बंसल को यह अत्यंत महत्वपूर्ण अर्थ सम्बन्धी दायित्व प्रदान किया है। उन्होने आशा व्यक्त की कि श्री बंसल निश्चित रूप से अपने उल्लेखनीय कार्य संपादन से अपने समाज, प्रदेश एवं क्षेत्र का नाम रोशन करेंगे।

इस अवसर पर राजेन्द्र प्रसाद गोयल, पुनीत मित्तल, विनोद गोयल, संजीव गुप्ता, अनिल गोयल, के के गर्ग आदि उपस्थित रहे।

एक नजर

बच्ची से गैंगरेप करने वाले आरोपियों के घर चला बुलडोजर

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश के मैहर में नाबालिग के साथ किए गए सामूहिक दुष्कर्म के मामले में सख्ती दिखाते हुए राज्य के सीएम शिवराज सिंह चौहान के आदेश पर आरोपियों के घर पर बुलडोजर चलाया गया है। आरोपी रविंद्र चौधरी का उदयपुर में स्थित घर ढहाया गया है तो वहीं अतुल बढ़ौलिया के मलियान टोला में स्थित घर पर भी बुलडोजर एक्शन हुआ है। मैहर प्रशासन ने शनिवार सुबह ही पहुंचकर आरोपियों घर बुलडोजर की कार्रवाई की है। एक्शन के दौरान एसडीएम सुरेश जादव, एसडीओपी लोकेश डावर सहित भारी तादाद में पुलिसकर्मी भी मौजूद रहे। बता दें कि दोनों आरोपियों ने 10 साल की मासूम बच्ची के साथ गैंगरेप को अंजाम दिया है। लड़की का इलाज फिलहाल रीवा मेडिकल कॉलेज में चल रहा है। पुलिस के मुताबिक दोनों आरोपी मंदिर प्रबंधन में दैनिक वैतिन भोगी कर्मचारी हैं। गुरुवार दोपहर 2 बजे दोनों लड़की को बहला-फुसलाकर मां शारदा मंदिर के पास पहाड़ियों पर ले गए। यहां उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया गया और मारपीट भी की। खून से सनी मासूम को गंभीर हालत में बच्ची को उसके परिजनों ने अस्पताल में भर्ती कराया था। आरोपियों के नाम रवींद्र कुमार रवि और अतुल भदोलिया हैं। दोनों की उम्र 30 साल है। दोनों को शुक्रवार को अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

हथियारबंद लोगों ने भाजपा नेता के घर की गोलीबारी

मुजफ्फरनगर। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जिले के भोपा थाना क्षेत्र के सिकंदरपुर गांव में हथियारबंद लोगों ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के स्थानीय नेता मैनपाल सिंह के घर पर हमला किया। एक पुलिस अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारी ने बताया कि बृहस्पतिवार रात गोलीबारी के कारण भाजपा नेता के घर और कार के शीशे क्षतिग्रस्त हो गए। पुलिस ने घटनास्थल से 35 खाली कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) अतुल श्रीवास्तव ने बताया कि छह लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है और आरोपियों को पकड़ने के प्रयास जारी हैं। अधिकारियों ने बताया कि भोपा के थाना प्रभारी अखिलेश कुमार को कर्तव्य में लापरवाही के लिए निलंबित कर दिया गया है। पुलिस के मुताबिक प्रथम दृष्टया घटना के पीछे पुरानी दुश्मनी हो सकती है।

मुहर्रम में ताजिए के हाई टेंशन तार को छूने से 4 की मौत, कई झुलसे

बोकारो । बोकारो के पेटरवार थाना अंतर्गत खेतको गांव में मुहर्रम के तजिया निकालने के दौरान एक बड़ा हदसा हो गया । यहां तजिया निकालने के दौरान 11 हजार बोल्ट के तार के चपेट में 13 लोग आ गए । इलाज के दौरान चार लोगों की मौत हो गई । वहीं नौ लोग अभी भी गंभीर बताए जा रहे हैं । जानकारी के मुताबिक, ये घटना सुबह साढ़े पांच बजे की है । कहा जा रहा है कि लोग ताजिये को इमाम बाड़ा शिफ्ट करने जा रहे थे । उसी दौरान ये हादसा हो गया । मृतकों में आसिफ रजा (21) एनामुल रब (35) गुलाम हुसैन और साजिद अंसारी (18) शामिल हैं । वहीं घायलों में सालुद्दीन अंसारी, इब्राहिम अंसारी, लाल मोहम्मद, फिरदौस अंसारी, मेहताब अंसारी, आरिफ अंसारी, मोजोबिल अंसारी और साकिब अंसारी और एक अन्य शामिल है । घटना के दौरान जो लोग मोके पर मौजूद थे, उन्होंने बताया कि ताजिया उठाने के दौरान ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन लाइन उससे टकरा गई । इसके चलते ताजिये के जुलूस में जो बैट्री रखी थी उसमें ब्लास्ट हो गया, जिससे ये हादसा हुआ ।

तीन तलाक देने पर पति सहित 7 के खिलाफ केस दर्ज

देहरादून (सं)। पत्नी को तीन तलाक देने के मामले में पुलिस ने पति सहित सात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार खुशहालपुर निवासी महिला ने सहसपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसका विवाह फिरोज अली के साथ हुआ था। विवाह के बाद से ही उसके ससुराल वाले उसको दहेज के लिए प्रताडित करने लगे थे। उसके परिवार वालों के काफी समझाने के बाद भी उनके व्यवहार में कोई परिवर्तन नहीं आया। उसने बताया कि उसका पति आये दिन उसके साथ गाली गलौच मारपीट करता रहता था। उसने बताया कि गत दिवस उसके पति ने उसके साथ मारपीट करते हुए उसको तीन बार तलाक बोलकर उसको घर से निकाल दिया। पुलिस ने पति सहित ससुराल के सात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

सतयुग का धाम है श्री बदरीनाथ धाम, बौद्ध मठ से श्री बदरीनाथ धाम का कोई संबंध नहीं: ममगाई

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। ज्योर्तिमठ व्यासपीठ विभूषित तथा चारधाम विकास परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष सुप्रसिद्ध कथाव्यास आचार्य शिवप्रसाद ममगाई ने श्री बदरीनाथ धाम पर स्वामी प्रसाद मौर्य के दिये गये बयान का खंडन किया है, उन्होंने कहा है कि बदरीनाथ धाम सतयुग का धाम है वेद-पुराणों, उपनिषदों में श्री बदरीनाथ धाम की महिमा वर्णित है। श्रीमद भागवत पुराण के दशवें स्कंद में वर्णन आता है कि श्री बदरीनाथ धाम नर - नारायण जी की तपस्थली है जहां आज भी भगवान बदरीविशाल लोककल्याण हेतु तपस्यारत है। हरिद्वार को भगवान नारायण का द्वार माना जाता है श्री विष्णु श्री हरि श्री बदरीनाथ धाम में युगों से विराजमान हैं।

आचार्य ममगाई ने कहा कि बदरीनाथ धाम को बौद्ध मठ बताना सनातन धर्म

के प्रति षड्यंत्र है। बदरीनाथ धाम का बौद्ध मठों से कोई संबंध नहीं है। उन्होंने कहा कि धार्मिक स्थलों को इस तरह की बयानबाजी से बदनाम किया जा रहा है। स्वामी प्रसाद मौर्य को अपने बयान के लिए माफी मांगनी चाहिए तथा सपा को उन्हे पार्टी से निष्कासित कर देना चाहिए।

उल्लेखनीय है कि बृहस्पतिवार 27 जुलाई को सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य ने लखनऊ में एक विवादित बयान दिया कि श्री बदरीनाथ धाम पहले एक बौद्ध मठ था। ऐतिहासिक प्रमाण है कि बौद्ध मत का उदय सनातन संस्कृति सनातन हिन्दू धर्म के कई युगों बाद हुआ।

बदरीनाथ धाम युगों से विद्यमान रहा आदि गुरु शंकराचार्य ने बदरीनाथ मंदिर का जीर्णोद्धार किया। मंदिर की स्थापना कब हुई इसका वर्णन वेद पुराणों में संग्रहित है। सनातन संस्कृति भगवान विष्णु के दशावतार में बौद्ध अवतार को भी भगवान विष्णु का ही स्वरूप माना गया है। अत: स्वामी प्रसाद मौर्य के बयान का कोई तार्किक आधार नहीं है। उल्लेखनीय है कि ज्ञानवापी पर हो रही एएसआई की सर्वे के संबंध में बोलते हुए स्वामी प्रसाद मौर्य ने यह विवादित बयान दिया जिसका प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी सहित सनातन धर्मावलंबी तथा विद्वतजन खंडन कर चुके है।

मकान का ताला तोड सामान चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने मकान का ताला तोडकर वहां से एलसीडी सहित अन्य सामान चोरी कर लिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार अशोक विहार निवासी अंशु आनन्द ने नेहरू कालोनी थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसका मकान अशोक विहार में है जिसको वह 22 जुलाई 23 को अपना मकान बंद कर के चले गये थे। 23 जुलाई 23 को वापसी आने पर उसको अपने मकान का ताला टूटा मिला मकान के अंदर चैक करने पर एलसीडी सैमसंग रंग काला एक लोटा एक थाल व कुछ अन्य सामान जो कि चोरो द्वारा चोरी कर लिया गया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

आबकारी विभाग में निरीक्षकों के हुए बंपर तबादले

हमारे संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड में आबकारी निरीक्षकों के बंपर तबादले हुए हैं। ट्रांसफर हुए निरीक्षकों में कई गढ़वाल से कुमाऊं भेजे गए, जबकि कुछ निरीक्षकों को सुगम में पोस्टिंग दी गई।

सचिव आबकारी एचसी सेमवाल ने देर रात इसके आदेश जारी किए हैं। जारी आदेश के अनुसार नारायण सिंह मर्तोलिया को अल्मोड़ा से चंपावत, बृजेश नारायण जोशी को कुमाऊं मंडल दफ्तर से ऊधमसिंहनगर प्रवर्तन, ताराचंद पुरोहित को टनकपुर से अल्मोड़ा, सुरेंद्र आर्य को पौड़ी से जोशीमठ चमोली, मानवेन्द्र पंवार को चमोली से डीडीहाट पिथौरागढ़, जितेंद्र राणा को देहरादून से उत्तरकाशी, प्रताप राम को पिथौरागढ़ से बागेश्वर, आनंद चौहान को पौड़ी से टिहरी, शैलेन्द्र उनियाल को टिहरी से हरिद्वार, महेंद्र सिंह चौहान को उत्तरकाशी से चमोली व जगत सिंह रावत को बागेश्वर से देहरादून भेजा गया है।

अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस पर बाघिन का शव मिलने से हड़कंप

हमारे संवाददाता

नैनीताल। अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस पर आज कॉर्बेट पार्क के ढेला रेंज के अंतर्गत सावल्दे पुल के नीचे नदी में एक बाघिन का शव मिलने से हड़कंप मच गया। सूचना मिलने पर कॉर्बेट पार्क के ढेला रेंजर सहित वन कर्मियों ने बाघिन के शव को कब्जे में ले लिया। जिसका पोस्टमार्टम के बाद शव नष्ट कर दिया जाएगा।

कॉर्बेट के वन कर्मियों के अनुसार जिस स्थान पर बाघिन का शव पड़ा मिला है वह राजस्व भूमि है यानी वह तराई पश्चिमी वन प्रभाग क्षेत्र के अंतर्गत इलाका है। कॉर्बेट टाइगर रिजर्व के ढेला रेंजर संदीप गिरी ने बताया कि आज सुबह सावल्दे के ग्रामीणों ने पुल के नीचे एक बाघिन के शव पड़े होने की सूचना दी। सूचना मिलने पर वह वनकर्मियों के साथ मौके पर पहुंचे और बाघिन के शव को कब्जे में ले लिया। बताया जा रहा है

कि बाघिन की उम्र करीब 5 से 6 साल के बीच होगी। बाघिन का शव राजस्व भूमि यानी तराई पश्चिम क्षेत्र के आमपोखरा रेंज के इलाके में पड़ा हुआ था। जिसकी मौत वजह का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट में लगेगा।

बता दें कि रामनगर में अंतरराष्ट्रीय बाघ दिवस का कार्यक्रम आज है और ऐसे में एक बाघिन की मौत होने से हड़कंप मच गया है। जबकि प्रदेश में बाघों के संरक्षण के लिए कई कार्यक्रम चलाये जा रहे है। बीते दिनों एसटीएफ उत्तराखण्ड द्वारा बाघ तस्करी व उसकी हत्या के मामले में पांच लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

मारपीट में मां-बेटे के खिलाफ मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने मां बेटे के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार डाकरा बाजार निवासी विकास राज ने कैण्ट कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसके पडोस में रहने वाले अंशुमन थापा व उसकी मां नीतू थापा उसके घर में घुस आये और उसके साथ गाली गलौच करने लगे। उसने जब उनका विरोध किया तो उन्होंने उसके साथ मारपीट करनी शुरू कर दी। चीख पुकार सुनकर जब आसपास के लोग वहां पर आये तो दोनों उसको जान से मारने की धमकी देकर भाग गये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, एडवोकेट
बैजनाथ, एडवोकेट

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।